संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 42
पृष्ठ 8
मंगलवार
29 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मिलावटी मिठाईयों से .... विचार- सभी धर्मों में जगमग... विदेश- आसमान में होगा अब ...

सी-295 के कारखाने से देश में नागरिक विमानों के विनिर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा : मोदी

वडोदरा, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने मिलकर सोमवार को गुजरात में एयरबस विमान निर्माण सुविधा का उद्घाटन किया है। इसके साथ ही दोनों नेताओं ने भारत–स्पेन सहयोग की सराहना की है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पेड्रो सांचेज ने गुजरात के वडोदरा में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) की सुविधा का उद्घाटन किया है। इस उद्घाटन समारोह के बाद उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया को विमान निर्यात करेगा। पेड्रो सांचेज ने भी इसे दोहराते हुए कहा कि भारत स्पेन पर भरोसा कर सकता है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा स्थित इस सुविधा में टीएएसएल और एयरबस संयुक्त रूप से भारतीय वायु सेना के लिए सी–295 सैन्य परिवहन विमान का निर्माण करेंगे। टीएएसएल 40 फ्लाई–अवे सी–295 विमानों का निर्माण करेगा और इसके बाद भारतीय वायु सेना द्वारा खरीदे जाने वाले कुल 56 विमानों के लिए रखरखाव, मरम्मत और परिचालन सहायता और सेवा

सुविधा अंततः नागरिक विमानों के निर्माण के लिए भी परिचालन प्रदान करेगा। इस अवसर पर बोलते हुए मोदी ने कहा कि टाटा–एयरबस सहयोग से भारत न केवल भारत के लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। मोदी ने कहा, ष्यह पेड्रो सांचेज़ का पहला भारत दौरा है। आज से हम भारत–स्पेन साझेदारी को नई दिशा दे रहे हैं, हम ब295 विमान के निर्माण के लिए कारखाने का उद्घाटन कर रहे हैं। इससे न केवल भारत और स्पेन के रिश्ते मजबूत होंगे, बल्कि श्मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्डश के मिशन को भी बल मिलेगा। मैं टाटा और एयरबस की टीमों को बधाई देता हूं। मोदी ने आगे कहा कि टीएएसएल का विस्तार करेगी, जिनका निर्यात किया जाएगा। मोदी ने कहा, आप सभी ने पिछले दशक में भारत के विमानन क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि और परिवर्तन देखा है। हम पहले से ही भारत को विमानन हब बनाने के लिए काम कर रहे हैं। यह पारिस्थितिकी तंत्र भविष्य में मेड इन इंडिया नागरिक विमानों का मार्ग प्रशस्त करेगा। विभिन्न भारतीय एयरलाइनों ने 1200 नए विमानों के लिए ऑर्डर दिए हैं... यह कारखाना भारत और दुनिया की भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए नागरिक विमानों के डिजाइन और निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाने जा रहा है। सांचेज़ ने कहा कि टीएएसएल सुविधा भारत और स्पेन के बीच विकास का इंजन और घनिष्ठ और बढ़ती दोस्ती का प्रमाण होगी। उन्होंने आगे वादा किया कि भारत विकास के लिए स्पेन पर भरोसा कर सकता है। सांचेज़ ने आगे कहा कि टाटा–एयरबस साझेदारी ने "भारत के रक्षा और अंतरिक्ष उद्योग में एक नया अध्याय खोला है"। सांचेज़ ने कहा, यह परियोजना हमारे औद्योगिक संबंधों को मजबूत करती है, साथ ही एक विश्वसनीय और रणनीतिक साझेदार के रूप में हमारे देश की गहरी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। और यह स्पेनिश रक्षा उद्योग की क्षमताओं को भी दर्शाता है। अपनी विश्व स्तरीय विशेषज्ञता और अपनी अच्छी तरह से अर्जित अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के साथ। भारत की तरह स्पेन भी अपने उत्पादक ढांचे को आधुनिक बनाने के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप को बढ़ावा दे रहा है।ष सांचेज़ ने आगे कहा कि टाटा–एयरबस साझेदारी अन्य कंपनियों के लिए भी भारत में निवेश और विनिर्माण के दरवाजे खोलेगी। भारत में रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए अपनी सरकार के प्रयासों के बारे में बोलते हुए मोदी ने कहा कि टाटा–एयरबस सुविधा 10 वर्षों के लगातार काम का परिणाम है। मोदी ने कहा कि दस साल पहले कोई भी यह नहीं सोच सकता था कि भारत में इतने बड़े पैमाने पर रक्षा विनिर्माण होगा, लेकिन सरकार ने दिशा बदलने और नए लक्ष्य निर्धारित करने का निर्णय लिया। मोदी ने कहा, आज परिणाम हमारे सामने हैं. ..हमने रक्षा विनिर्माण में निजी क्षेत्र की भागीदारी का विस्तार किया, सार्वजनिक क्षेत्र को कुशल बनाया, आयुध कारखानों को सात बड़ी कंपनियों में परिवर्तित किया, डीआरडीओ और एचएएल को मजबूत किया, यूपी और तमिलनाडु में दो बड़े रक्षा गलियारे बनाए। ऐसे कई फैसलों ने रक्षा क्षेत्र को नई ऊर्जा से भर दिया। सांचेज तीन दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। उद्घाटन से पहले मोदी और सांचेज ने वडोदरा में रोड शो किया। उद्घाटन के बाद सांचेज और मोदी प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। बाद में सांचेज मुंबई जाएंगे, जहां आधिकारिक कार्यक्रमों के अलावा वे व्यापार और उद्योग जगत के नेताओं से मिलेंगे, थिंक टैंक से मिलेंगे और भारतीय फिल्म उद्योग के नेताओं से मिलेंगे।

मृतक मोहित पांडे के परिवार ने सीएम योगी आदित्यनाथ से की मुलाकात

लखनऊ पुलिस कस्टडी में युवक की मौत मामला

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पुलिस हिरासत में यवुक की मौत का मामला काफी चर्चा में है। सोमवार को मृतक युवक मोहित पांडे के परिवार ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। सीएम योगी ने पीड़ित परिवार से घटना के बारे में जानकारी ली और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। वहीं सीएम योगी ने पीड़ित परिवार को इस मामले में दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने का भी भरोसा दिलाया। इसके साथ ही योगी आदित्यनाथ ने मृतक मोहित पांडे के परिवार को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता भी प्रदान की। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक मोहित पांडे का परिवार लखनऊ की बख्शी तालाब सीट से भाजपा विधायक योगेश शुक्ला के साथ सुबह लगभग 10 बजे सीएम योगी के सरकारी आवास पहुंचे। जहां उन्होंने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस दौरान सीएम योगी ने परिवार को 10 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की वहीं हरसंभव मदद का भी आश्वासन

दिया। सीएम योगी ने कहा कि सरकार मृतक के बच्चों की पढ़ाई का खर्चा उठाएगी और इस मामले में किसी भी दोषी को बख्सा नहीं जाएगा। गौरतलब है कि राजधानी लखनऊ में पुलिस ने शुक्रवार रात दो सगे भाइयों को घर से उठाया था। शनिवार की सुबह हिरासत में एक की मौत हो गई। हवालात में साथ बंद दूसरे भाई ने हकीकत बताई। कहा कि भाई प्यासा था। वह पानी मांग रहा था। लेकिन, किसी उसे पानी तक नहीं पिलाया। उसे टॉर्चर किया गया। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस तरह तड़पकर उसकी जान निकली होगी। मामला चिनहट थाना क्षेत्र के देवा रोड स्थित अपट्रान इलाके का है। यहां से शुक्रवार रात पुलिस दो भाइयों मोहित पांडेय और शोभाराम पांडेय को झगड़े के एक मामले में घर से उठाकर ले गई थी। शनिवार को मोहित पांडेय (32) की मौत हो गई। भाई की मौत के बाद पुलिस के हाथ–पांव फूल गए। पुलिस ने दूसरे भाई को तत्काल छोड़ दिया। खबर मिली तो रोते बिलखते घरवाले पहुंचे। घरवालों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाकर सड़क पर हंगामा करना शुरू कर दिया। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस दौरान आक्रोशित लोगों और पुलिस के बीच धक्कामुक्की भी हुई। इसका वीडियो भी सामने आया है। भाई शोभाराम पांडेय ने बताया कि हवालात में रात को भाई की तबीयत खराब हो गई। हमने दरवाजा खोलने के लिए कहा तो पुलिसवालों ने गाली दी। लेकिन, दरवाजा नहीं खोला।

जम्मू-कश्मीर के अखनूर में सेना की एंबुलेंस पर बड़ा आतंकी हमला, तीन आतंकवादी ढेर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के अखनूर में एक बड़ा आतंकी हमला हुआ है, जहां सेना के एक वाहन पर गोलीबारी की गई। यह घटना इस क्षेत्र में भारतीय सेना पर एक और हमला है, इससे पहले हाल ही में इसी तरह के आतंकी हमले हुए थे। स्थिति और सुरक्षा उपायों पर विस्तृत रिपोर्ट के लिए

अपडेट रहें। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, सुरक्षा बलों ने सोमवार (28 अक्टूबर) को जम्मू–कश्मीर के अखनूर में सेना के एक वाहन पर गोलीबारी करने वाले सभी तीन आतंकवादियों को मार गिराया। सूत्रों द्वारा जारी की गई जानकारी के अनुसार, सुरक्षा बलों ने आज सुबह करीब 7 बजे जम्मू–कश्मीर के अखनूर में शिव मंदिर के पास बटाल में सेना की एंबुलेंस वैन पर गोलीबारी करने वाले सभी आतंकवादियों को एक गहन मुठभेड़ के बाद मार गिराया। यह ध्यान देने योग्य है कि यह घटना बारामूला में एक सैन्य वाहन पर आतंकवादियों द्वारा हमला किए जाने के बाद भारतीय सेना के दो जवानों और दो नागरिक कुलियों की जान जाने के कुछ ही दिनों बाद हुई है। जारी की गई जानकारी के अनुसार, हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादी के खिलाफ बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया है। एक सैन्य अधिकारी ने पहले बताया था कि इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल भी भेजा गया है।

बीजेपी ने जारी की उम्मीदवारों की तीसरी लिस्ट, 25 नाम शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आज आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के लिए 25 उम्मीदवारों की अपनी तीसरी सूची जारी की, जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निजी सहायक (पीए) सुमित वानखेड़े को आर्वी सीट से मैदान में उतारा गया है। भाजपा ने वर्सोवा से मौजूदा विधायक भारती लावेकर और घाटकोपर पूर्व से पराग शाह को फिर से उम्मीदवार बनाया है, हालांकि पहले ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि दोनों की टिकटें रद्द हो सकती हैं।

बीजेपी की तीसरी सूची

मुर्तिजापुर (एससी) – हरीश मारोतिराव पिंपले

कारंजा – साई प्रकाश दहाके

तेओसा – राजेश श्रीराम वानखड़े

मोर्शी – उमेश (चंदू) आत्मारामजी यावलकर

आर्वी – सुमित किशोर वानखेड़े

काटोल – चरणसिंग बाबूलालजी ठाकुर

सावनेर – आशीष राजे देशमुख

नागपुर सेंट्रल – प्रवीण

प्रभाकरराव दटके

नागपुर पश्चिम – सुधाकर विट्ठलराव कोहाले

नागपुर उत्तर (एससी) – डॉ. मिलिंद पांडुरंग माने

साकोली – अविनाश आनंदराव ब्राह्मणकर

चंद्रपुर (एससी) – किशोर गजाननराव जोर्गेवार

अमोदी (एसटी) – राजू नारायण टोडसम

उमरखेड (एससी) – किशन मारुति वानखेड़े

देगलुर (एससी) – जितेश रावसाहेब अंतापुरकर

दहानू (एसटी) – विनोद सुरेश मेधा

वसई – स्नेहा प्रेमनाथ दुबे

बोरीवली – संजय उपाध्याय

वर्सोवा – भारती हेमन्त लावेकर

घाटकोपर पूर्व – पराग किशोरचन्द्र शाह

ऐरोली – सुरेश रामचन्द्र दास

लातूर शहर – अर्चना शैलेश पाटिल चाकुरकर

मालशिरस (एससी) – राम विट्ठल सातपुते

कराड उत्तर – मनोज भीमराव घोरपड़े

पलुस– कडेगांव – संग्राम संपतराव देशमुख

इससे पहले शनिवार को भगवा पार्टी ने 22 नामों के साथ अपनी दूसरी सूची जारी की थी, जबकि पहली सूची में 99 नाम थे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में 20 नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए 288 विधानसभा सीटों में से 11 पर महायुति के सहयोगी अभी भी बातचीत कर रहे हैं।

एडवोकेट बनने से पहले अब पुलिस वेरीफिकेशन जरूरी, बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने107 फर्जी वकीलों को हटाया

नई दिल्ली, एजेंसी। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने ईमानदारी और व्यावसायिकता बनाए रखने के अपने चल रहे अभियान के एक हिस्से के रूप में दिल्ली में 2019 और अक्टूबर 2024 के बीच 107 फर्जी वकीलों के नाम हटा दिए हैं। बीसीआई ने कहा कि इस निर्णायक कार्रवाई का उद्देश्य फर्जी अधिवक्ताओं और उन लोगों को खत्म करना है जो अब कानूनी अभ्यास के मानकों को पूरा नहीं करते हैं। ऐसा करके, बीसीआई ने जनता के विश्वास और कानूनी प्रणाली को अनैतिक प्रथाओं से बचाने की कोशिश की है। बीसीआई सचिव श्रीमंतो सेन ने कहा कि कानूनी समुदाय की अखंडता और व्यावसायिकता को बनाए रखने के चल रहे प्रयास के तहत अकेले दिल्ली में 107 फर्जी वकीलों के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। 2019 और 23 जून, 2023 के बीच कई हजारों फर्जी अधिवक्ताओं को उनकी साख और प्रथाओं की गहन जांच के बाद हटा दिया गया।

कविता के अधूरेपन में भी अध्यात्म झलकता है– अनवार अब्बास

रचना सक्सेना के काव्य संग्रह 'छंद रचना' का हुआ लोकार्पण एवं काव्यगोष्ठी

प्रयागराज । लोकरंजन प्रकाशन एवं शहर समता विचार मंच के संयुक्त तत्तवावधान में वरिष्ठ कवयित्री रचना सक्सेना के काव्य संग्रह ष्छंद रचनाश के लोकार्पण का आयोजन संजय सक्सेना के संयोजन में हिन्दुस्तानी एकेडमी के सभागार में मारूफ शाइर अनवार अब्बास नकवी की अध्यक्षता में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस आयोजन के मुख्य अतिथि रही प्रो. सरोज सिंह एवं प्रो. रवि कुमार मिश्रा तथा विशिष्ट अतिथि रहें डॉ० प्रदीप चित्रांशी एवं डॉ० सविता कुमारी श्रीवास्तव। आयोजन का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ तत्पश्चात डॉ०मंजू की वाणी वंदना प्रस्तुत की ।

यह आयोजन दो सत्र में किया गया। पहले सत्र में रचना सक्सेना की पुस्तक पर चर्चा परिचर्चा हुई जो कि 14 पौराणिक छंदों पर आधारित है। इस सत्र

का संचालन उमेश श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रो सरोज सिंह ने कहा रचना की छंद रचना विशेष है। इस कविता संग्रह में रचना सक्सेना ने कुछ ऐसे छंदो का प्रयोग किया जो करीब हाशिए पर जा चुके है इसके लिए मैं रचना सक्सेना को बहुत बधाई देती हूँ प्रो. रवि मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुऐ कहा कि विस्मृति किये गये छंद को रचना सक्सेना के छंदों नें पुनः काव्य जगत में स्थापित करते हुए उन्हें लोक कल्याण हेतु साहित्य के माध्यम से समाज के बीच में अपनी पुस्तक को प्रस्तुत किया। डॉ सविता कुमारी श्रीवास्तव ने पुस्तक में समाहित छंद पर प्रकाश डालते हुए छंद विधा की चर्चा करते हुए कहा कि यह पुस्तक साहित्य जगत में नया कीर्तिमान स्थापित करेगी। डॉ प्रदीप चित्रांशी जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुऐ कहा कि मुक्त छंद के दौर में छांदस कविता अपने में दुरूह कार्य है लेकिन रचना सक्सेना ने इस दुरूह कार्य को छंद रचना के अन्तर्गत बहुत सिद्ध कर दिया कि यह दुरूह कार्य नही है बल्कि रचना में प्राण फूकने के समान है। अंत में अध्यक्षता करते हुए मारुफ शाइर अनवार अब्बास नकवी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कविता

के अधूरेपन में भी अध्यात्म झलकता है क्योंकि इससे निरन्तर अभ्यास बना रहता है। छंद रचना की रचनाकार रचना सक्सेना के व्यक्तित्व में घ्सा झलकता भी है। उनकी साधना ही चौदह छंदों को रचकर इस बात को प्रमाणित करता है।

दूसरे सत्र में काव्यगोष्ठी हुई जिसका संचालन मनमोहन सिंह तन्हा ने किया जिसमें डॉ वीरेंद्र तिवारी, कविता उपाध्याय, संगीता श्रीवास्तव, प्रेमा राय, ध गिरेन्द्र सिंह, राम कैलाश पाल प्रयागी, देवी प्रसाद पाण्डेय, के. पी. गिरि, अजय वर्मा साथी, असलम आदिल एस. पी. श्रीवास्तव, केशव सक्सेना, राम लखन शुक्ल,कल्पना वर्मा, शाहीन खुशबू, सुस्मिता सिंह, मिली श्रीवास्तव, शरत चन्द्र श्रीवास्तव, एम. एस. खान, विजय लक्ष्मी विभा, रवि कुमार मिश्र, शिव कुमार तिवारी, शाम्भवी, मीरा सिन्हा, शंभुनाथ श्रीवास्तव, उर्वशी उपाध्याय, राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव, अमित, गीता सिंह, जया मोहन, इंदू प्रकाश मिश्र, नमन यादव, रीतू पाण्डेय, यश मालवीय जलज जीतू आदि ने काव्य पाठ किया। इस अवसर पर शिल्पी सक्सेना एवं नेहा सक्सेना ने भी अपनी माँ को हार्दिक बधाईयाँ दी। आभार ज्ञापन संजय सक्सेना ने किया।

सेंट मैरीज कॉन्वेंट की छात्रा ने लगाई फांसी, मौत के लिए कॉलेज को ठहराया जिम्मेदार

प्रयागराज। शहर के नामी सेंट मैरीज कॉन्वेंट इंटर कॉलेज की नौवीं कक्षा की छात्रा जैना हुसैन खान ने फांसी लगाकर जान दे दी। उसने यह कदम तब उठाया जब उसके माता–पिता घर पर नहीं थे। छात्रा ने अपने सुसाइड नोट में अपनी मौत के लिए सेंट मैरीज कॉलेज प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया है। छात्रा ने सुसाइड नोट में लिखा है कि इस स्कूल को बंद कर देना चाहिए। प्रीतमनगर के अरफत खान की पुत्री जैना हुसैन खान ने 22 अक्तूबर की सुबह अपने कमरे में तब फांसी लगाई, जब घर में माता–पिता नहीं थे। छोटा भाई सो रहा था। मौत से कुछ समय पहले उसने अपनी क्लास टीचर के साथ व्हाट्सएप पर चौटिंग भी की थी। हालांकि उसका वह आखिरी चौट उसके मोबाइल से किसी ने डिलीट कर दिया है। पता चला कि जैना की मौत के समय उसकी मां सुफिया रशीद घर से बाहर निकलीं थीं। वापस आने पर बेटी को फंदे पर लटकता देख उनकी चीख निकल गई। शोर मचने पर आसपास के लोग जुट गए। शव को फंदे से उतारा गया। मां सूफिया ने इस घटना की जानकारी वाराणसी में आईसीआईसीआई बैंक में तैनात जैना के पिता अरफत खान को दी। जैना के कमरे में सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें लिखा है कि मम्मा–अब्बू मुझे माफ करना। आप मुझसे बहुत प्यार करते थे। मैं भी आपसे प्यार करती हूं। मेरी मौत से जुड़ी सारी बातें जानने के लिए यह मेरी डायरी आप जरूर पढ़ लीजिएगा। मुझको प्यार करने, जानने और नफरत करने के लिए भी जरूरी है कि इस डायरी को पढ़ लीजिएगा। अपनी मौत के लिए मैं सिर्फ अपने स्कूल को जिम्मेदार ठहरा रही हूं। सिर्फ और सिर्फ मेरा स्कूल ही इस घटना के लिए दोषी है। इस स्कूल को बंद कर देना चाहिए। वहां बहुत दबाव और तनाव है। एसएमसी राजनीति और मानसिक यंत्रणा का अड्डा बन चुका है। मैं अपने माता पिता को इसके लिए परेशानी में नहीं डालना चाहती...। आई लव यू मम्मा–अब्बू। जैना के इस सुसाइड नोट के आधार पर सिविल लाइंस थाने की पुलिस ने प्रिंसिपल लिस्सी और क्लास टीचर शिखा को तलब किया है। जैना के पिता अरफत ने बताया कि उनकी बेटी अब वापस नहीं आएगी। लेकिन, मौत के लिए कॉलेज को ही उसने जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि, अरफत और सूफिया ने इस घटना की तहरीर अभी तक पुलिस को नहीं दी है, लेकिन वह इंसाफ चाहते हैं। उधर, इस मामले में बिशप लुइस मस्करेनस से बात की गई तो उन्होंने इस घटना पर अपनी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अभी तक परिजनों ने तहरीर नहीं दी है। छात्रा की मौत की घटना की जानकारी उन्हें मिली है। सुसाइड नोट मिलने और शिकायत के आधार पर इस मामले में कार्रवाई की जाएगी। परिजनों के मुताबिक छात्रा की मौत से एक दिन पहले सुबह 6रू12 बजे क्लास टीचर ने फोन कर जानकारी दी थी कि वह पढ़ाई में बहुत कमजोर है। अभिभावकों को जैना को लेकर 10रू30 बजे कॉलेज आने के लिए कहा गया था। तब क्लास टीचर ने कहा था कि प्रिंसिपल मैम ने बुलाया है। इससे पहले पैरेंट्स मीटिंग के दौरान भी मां के सामने ही उसे जलील किए जाने की बात कही जा रही है। इस मामले में मैं अभी किसी तरह की टिप्पणी नहीं कर सकता। छात्रा की मौत और उसके सुसाइड नोट की जानकारी मिली है। इस बारे में संस्थान को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।

पुलिस फेल, छात्र की मां ने रखा 50 हजार इनाम: प्रयागराज से लापता बीबीए छात्र की सूचना पर इनाम, शहर में चस्पा हो रहे पोस्टर

प्रयागराज। प्रयागराज से 13 अक्टूबर से लापता यूनाइटेड यूनिवर्सिटी मेडिसिटी के बीसीए छात्र मो. कैफ का अब तक पता नहीं चल सका। परिवार वाले शहर शहर भटक रहे हैं। पुलिस सुराग जुटाने में नाकाम हुई तो मां शहनाज खातून ने अपनी जिगर के टुकड़े का पता लगाने के लिए खुद ही इनाम की घोषणा कर दी। मां ने बेटै का पता लगाने वाले को 50 हजार रुपये इनाम देने का ऐलान किया है। मां कहती है रुपए की बात नहीं और बढ़ा दिया जाएगा लेकिन बच्चा मिल जाए। इनाम वाले पोस्टर छपवा कर शहर में चस्पा किए जाने लगे हैं। सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इनामी पोस्टर को वायरल किया जा रहा है कि शायद इनाम के लालच में कोई बेटे का पता बता दे, या फि कोई ऐसी सूचना दे दे जिससे कैफ के बारे में पता चल सके। पुलिस का कहना है कि दोस्तों से पूछताछ, सीडीआर के आधार पर जांच की जा रही है। अपहरण जैसी कोई घटना नहीं हुई। हां यह पता नहीं चल पा रहा है कि कैफ कहां और कैसे लापता हो गया। आसपास के जिलों में उसकी फोटो भेज जानकारी मांगी गई है। लापता कैफ की कहानी अब और उलझती जा रही है। उसे अगवा नहीं किया गया। वह खुद से गया, उसके साथ कोई अनहोनी नहीं हुई तो अब तक उसका पता क्यों नहीं चल रहा है। छात्र मो. कैफ (18) का अब सुराग नहीं मिला। जैसे जैसे जांच आगे बढ़ रही है कई राज खुल रहे हैं। पहले तो सनसनीखेज मामला यह सामने आया कि लापता होने के बाद भी बीबीए छात्र की अटेंडेंस यूनाइटेट यूनिवर्सिटी में लगती रही। अब मोबाइल की जांच से एक नई बात सामने आई है। कैफ घर से निकलने के पहले अपना मोबाइल छोड़ गया था। मोबाइल की जांच से साफ हुआ है कि 25 सितंबर से लेकर 13 अक्टूबर यानि जिस दिन छात्र अपने घर से गया उसके मोबाइल के मैसेंजर से सारे मैसेज डिलीट हो चुके थे। मैसेज बाक्स से 18 दिनों के मैसेज को पूरी तरह डिलीट किया गया। कैफ के घरवाले अब मैसेजों को लेकर परेशान हैं। माना जा रहा है कि छात्र ने घर छोड़ने से पहले 13 अक्टूबर तक के मैसेजों को खुद डिलीट कर दिया था। अब उन मैसेजों में ऐसा क्या था जिसे छात्र ने डिलीट किया यह रहस्य बना हुआ है। छात्र के घरवालों से बातचीत कर पुलिस ने कैफ के मोबाइल की कॉल हिस्ट्री, सीडीआर निकलवाई है।

अब पुलिस की जांच उसी के सहारे आगे बढ़ रही है। सबसे हैरत की बात तो यह है कि कैफ झलवा स्थित यूनाइटेट यूनिवर्सिटी का छात्र है। 13 अक्टूबर की रात से वह लापता है। प्रयागराज से लेकर देहरादून तक उसकी तलाश चल रही है। यूनिवर्सिटी के साथी छात्र–छात्राएं उसके लिए कैंपेन चला रहे हैं जबकि यूनिवर्सिटी में बीबीए छात्र की अटेंडेंस लग रही है। यह अजीब है। बीबीए छात्र कैफ यूनिवर्सिटी नहीं जा रहा है लेकिन अटेंडेंस रजिस्टर पर उसकी हाजिरी कौन लगा रहा यह कहानी अजीब है। 14 अक्टूबर, 15 अक्टूबर को कैफ की फुल अटेंडेंस लगी है। जबकि 16 अक्टूबर को फस्ट लेक्चर में उसकी अटेंडेंट लगी है। इसे लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। शुक्रवार को कैफ के परिवार वाले साथी छात्रों से बातचीत करने पहुंचे तो यह मामला सामने आया। इसके बाद घरवालों ने ऐतराज जताया परिवार वालों ने यूनिवर्सिटी प्रबंधन से शिकायत किया तो हंगामा मचा। अब जांच हो रही है कि आखिर लापता छात्र की अटेंडेंस कैसे लग रही है। छात्र के घरवालों ने पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर जांच तेज कर करने की मांग की है। छात्र के पिता और मामा हर संभावित जगहों पर उसे तलाशने पहुंच रहे हैं। होटलो में जाकर पूछताछ के बाद साथ ही एक दो दरगाहों पर जाकर पूछताछ की गई। छात्र का सुराग न मिलने से परिवार वाले परेशान हैं। हर नाते रिश्तेदारों के यहां उसकी तलाश की जा रही है। परिवार वालों ने कैफ के मोबाइल की जांच की मांग की है। आर्मी से रिटायर्ड मो. शाहिद उस्मानी परिवार के साथ धूमनगंज थाना क्षेत्र के कालिंदीपुर में मौसम विहार कॉलोनी में रहते हैं। उनका बड़ा बेटा मद्रास कॉलेज से एमटेक कर रहा है। छोटा बेटा मो. कैफ उस्मानी प्रयागराज में यूनाइटेड मेडिकल कॉलेज कैंपस की यूनाइटेड यूनिवर्सिटी में बीबीए फस्ट ईयर का छात्र है। 13 अक्टूबर की रात 8 बजे कैफ मां से बोलता है कि वह खाने के लिए कुछ नमकीन लेकर आता है। लोवर टीशर्ट में कैफ घर से बाहर निकल जाता है। वह अपना मोबाइल भी छोड़ जाता है। रात नौ बजे तक वह नहीं लौटता तो परिवार तलाश करता है। पूरी रात न लौटने पर दोस्त, रिश्तेदारों को फोन किया जाता है। इसके बाद सीसीटीवी कैमरे खंगाले जाने लीगते हैं। उसी रात 8.38 पर वह सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन के बाहर लगे कैमरे में नजर आता है। इसके बाद वह रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर लगे कैमरों में दिखता है। तब देहरादून जाने वाली लिंक एक्सप्रेस खड़ी रहती है। लिंक एक्सप्रेस ट्रेन देहरादून जाती है। परिवार वहां तक तलाश करता है।

धनतेरस पर दोपहर दो बजे से ही खरीदारी का शुभ मुहूर्त, 31 अक्तूबर को मनेगी दीपावली

प्रयागराज। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी 29 अक्तूबर को धनतेरस या धनत्रयोदशी पर यम की प्रसन्नता के लिए घर के द्वार पर निशामुख दीपदान किया जाएगा। लोग अपनी इच्छानुसार सोने–चांदी के सिक्के, आभूषण, बरतन, वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स के सामान खरीदेंगे। आमतौर पर धनतेरस पर दिनभर खरीदने की परंपरा रहती है। लेकिन, दोपहर दो बजे के बाद से खरीदारी का शुभ मुहूर्त है। आचार्य डॉ.रामनरेश त्रिपाठी ने बताया कि धनतेरस पर दोपहर 1:59 से 3:30 बजे तक खरीदारी करने का शुभ मुहूर्त है। इसके बाद शाम 4:58 बजे तक नील लग्न लग जाएगा, यह विशेष फलदायी है। शाम में 6:35 से रात 10:45 बजे तक भी खरीदारी कर सकते हैं। आचार्य गोपालजी मालवीय ने बताया कि 31 अक्तूबर को दीपावली के दिन दोपहर 3:12 से एक नवंबर शाम 5:13 बजे तक अमावस्या रहेगी। दो नवंबर को गोवर्धन पूजा होगी। इसके बाद तीन नवंबर को भैयादूज मनाया जाएगा। इस दिन बहने अपने भाइयों को सुबह 7:29 बजे से सुबह 11:52 बजे तक टीका कर सकती हैं। फिर दोपहर 1:39 से शाम 4:38 बजे टीका करने का शुभ मुहूर्त है। दीपावली के दिन व्यापारियों के लिए पूजन का शुभ मुहूर्त शाम 6:27 बजे से रात 8रू23 बजे तक रहेगा। गृहस्थ के लिए शाम 8:23 बजे से रात 10:37 बजे तक है। आचार्य डॉ.अमिताभ गौड ने बताया कि धनतेरस पर तीन विशेष योग बन रहे हैं। इसमें त्रिपुष्कर योग, लक्ष्मी नारायण और शशि योग है। दोपहर दो बजे के बाद से खरीदारी का मुहूर्त शुरू होगा, जो रात 8रू31 बजे तक रहेगा। धनतेरस मंगलवार 29 अक्तूबर को है। धनतेरस से ही कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि से पांच दिवसीय दीपावली पर्व शुरू हो जाता है, जो भैयादूज तक रहता है। लेकिन, इस बार यह त्योहार पांच नहीं, बल्कि छह दिन का है। आचार्यों के मुताबिक इस बार गोवर्धन पूजा दीपावली के अगले दिन न पड़कर एक दिन बाद दो नवंबर को है।

जिले में छह दिन के अंदर मिले डेंगू के 70 नए मामले, 246 हुई कुल संख्या

प्रयागराज। जिले में डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। पिछले छह दिनों में 70 डेंगू के मरीजों की पहचान हुई। हालांकि, इन मरीजों की स्थिति सामान्य बनी हुई है। आशंका जताई जा रही है कि अगले माह डेंगू के मामले बढ़ सकते हैं। रविवार को डेंगू के 13 नए मामले सामने आए हैं। ऐसे में इस वर्ष डेंगू के मरीजों की कुल संख्या 246 हो गई है। जिसमें 198 मरीज शहरी क्षेत्र के हैं। वहीं, ग्रामीण क्षेत्र में अब तक कुल 48 मरीज ही पाए गए हैं। नैनी, छोटा बघाड़ा, फाफामऊ, राजापुर, अल्लापुर, धूमनगंज, दारागंज, एसआरएन कैंपस, तेलियरगंज, गोविंदपुर, टीपी नगर, शांतिपुरम, सिविल लाइंस, मुट्ठीगंज, एलनगंज, जॉर्जटाउन, ट्रांसपोर्ट नगर, पुलिस लाइन, मोती महल, मुंडेरा, राजरूपपुर, सुलेम सराय, चौक, लूकरगंज, मोहत्सिमगंज, कटरा, शंकरघाट, नार्थ मलाका, झलवा, ओल्ड कटरा, एमएलएन मेडिकल कॉलेज, कालिंदीपुरम, प्रीतमनगर, टैगोर टाउन, सोहबतियाबाग, रसूलाबाद के मोहल्ले शामिल है। इसके अलावा मेजा, भगवतपुर, मांडा, सैदाबाद, हंडिया सहित कई ब्लॉक में भी डेंगू के मरीज मिले हैं। इन इलाकों में दवाइयों का छिड़काव कराया गया है। पिछले पांच वर्षों में सिर्फ अक्तूबर माह में डेंगू के प्रकोप की बात करें तो वर्ष 2021 में 532, वर्ष 2022 में 708, वर्ष 2023 में 105 व वर्ष 2024 में 25 अक्तूबर तक 246 डेंगू के मामले सामने आए हैं। मगर किट से जांच की बात करें, तो प्रतिदिन 50 से अधिक डेंगू के मरीजों की पहचान हो रही है। इसके अलावा अब तक तीन लोगों की मौत भी हो चुकी है।

नवम आयुर्वेद दिवस श्री धन्वंतरि जयंती समारोह संपन्न

आरोग्य भारती शाखा प्रतापगढ द्वारा श्री धन्वंतरि जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई

प्रतापगढ़। वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार विषयक संगोष्ठी व नवम आयुर्वेद दिवस श्री धन्वंतरि जयंती समारोह का आयोजन आरोग्य भारती शाखा प्रतापगढ द्वारा जेल रोड स्थित आनन्द सदन में आयोजित किया गया। दीप प्रज्ज्वलन व धन्वंतरि स्तवन से प्रारम्भ हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांतीय उपाध्यक्ष आरोग्य भारती डॉ रंगनाथ शुक्ला ने तथा सञ्चालन डॉक्टर अवनीश भूषण पाण्डेय जी ने कियास क्षेत्रीय यूनानी अधिकारी डॉ त्रिभुवन राम जी ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई विशिष्ट अतिथि के रूप मेंपूर्व चिकित्सा अधिकारी डॉ एस के शर्मा व विभाग बौद्धिक शिक्षण प्रमुख सौरभ पाण्डेय जी की गरिमामय उपस्थिति रही स मुख्य अतिथि श्री त्रिभुवन राम जी ने कहा कि धन्वंतरि पूजन व आयुर्वेद नवाचार के लिए कृतसंकल्प हम सभी आज यहां शपथ लें कि वैश्विक स्वास्थ्य के लिए हम सभी तन मन धान पूर्वक सतत कार्य करते रहेंगे विशिष्ट अतिथि डॉ सौरभ पाण्डेय ने नास्ति मूलं नौषधम की चर्चा करते हुए कहा कि पत्ता पत्ता औषधि है आज धन्वंतरि जयंती को सही मायने में समझ कर अपने जीवन क्रम में उतारने की

आवश्यकता है अध्यक्षीय भाषण करते हुए डॉ एस के शर्मा ने की बच्चे के जन्म से लेकर मृत्युपर्यंत चिकित्सा पद्धतियों की व्यक्ति के जीवन में महती भूमिका है मनुष्य के जीवन में यदा कदा चिकित्सा पद्धतियों का उपयोग प्रयोग अवश्यंभावी है आवश्यकता है सइन पद्धतियों को बारीकी से समझने की इन पद्धतियों में आयुर्वेद सबसे प्राचीन पद्धति है जिसका उपयोग वैदिक काल से मिलता है ससकार्यक्रम को पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी, अवनीश भूषण पाण्डेय डॉ भरत नायक डॉ सुधांशु उपाध्याय जी ने भी संबोधित किया इस कार्यक्रम में डॉ त्रिभुवन राम आदर्श सिंह अजय क्रांतिकारी डॉ एस एस गुप्ता जी डॉ सौरभ पाण्डेय डॉ रंगनाथ शुक्ला का सारस्वत अभिनंदन किया गया सइस कार्यक्रम में आरोग्य भारती शाखा प्रतापगढ के पदाधिकारी व सदस्यगण के अलावा जनपद के कई गणमान्य चिकित्सक पत्रकार समाजसेवी कवि अधिवक्ता व व्यवसाई उपस्थित रहे गणमान्य उपस्थिति के रूप में डॉ एस के शर्मा डॉ रंगनाथ शुक्ला डॉ भरत नायक डॉ अवनीश भूषण पाण्डेय डॉ आमोद शुक्ल डॉ सुधांशु उपाध्याय डॉ सौरभ पाण्डेय वरिष्ठ साहित्यकार श्री सुरेश नारायन दुबे व्योम जी डॉ ब्रह्मानंद डॉ आकांक्षा पाण्डेय डॉ राजेश यादव डॉ महेंद्र मौर्य चीफ फार्मासिस्ट अजय क्रान्तिकारी , डा० शिवशंकर गुप्ता आदर्श सिंह आकाश सिंह अच्छे लाल डॉ आशीष त्रिपाठी अमित शुक्ल धर्म प्रकाश पाण्डेय राकेश शर्मा उपस्थित रहे।

छिवकी स्टेशन से दुर्लभ प्रजाति के 14 कछुए बरामद, जीआरपी ने चेकिंग के दौरान दो तस्करों को पकड़ा

प्रयागराज। छिवकी स्टेशन से पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो तस्करों के कब्जे से 14 कछुआ बरामद किया। कछुओं को वन विभाग को सौंप दिया गया है। आरोपियों के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रयागराज के छिवकी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर र चौकी प्रभारी राजीव कुमार सिंह दल बल के साथ चेकिंग कर रहे थे। संदेह के आधार पर दो युवकों को पकड़कर उनके बैग और झोले की तलाशी ली गई तो दुर्लभ प्रजाति के 14 कछुए मिले। पुलिस ने वन विभाग करछना रेंजर टीम को बुलाकर दोनों आरोपियों सहित 14 दुर्लभ प्रजाति के कछुआ को कार्रवाई करने के लिए सुपुर्द कर दिया।

ईवीएम–ऑनलाइन माध्यम से केपी ट्रस्ट के चुनाव की तैयारी, 100 रुपये में सदस्य बनाने के निर्णय को मंजूरी

प्रयागराज। आने वाले समय में कायस्थ पाठशाला (केपी) ट्रस्ट के सदस्यों की संख्या लाखों में पहुंचने पहुंचने का अनुमान है, सो केपी ट्रस्ट का चुनाव भी बैलेट पेपर की जगह ईवीएम या ऑनलाइन माध्यम से कराए जाने की तैयारी है। रविवार को आयोजित ट्रस्ट की गवर्निंग कौंसिल की ऑनलाइन बैठक में 100 रुपये में सदस्य बनाए जाने पर भी अंतिम मुहर लगा दी गई। केपी ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. सुशील सिन्हा ने कहा कि सदस्य बनने के लिए अब न्यूनतम आयु 21 से घटाकर 18 वर्ष कर दी गई है सदस्यता फॉर्म भी अब केवल 50 रुपये में मिलेगा। वर्तमान में ट्रस्ट के 33514 सदस्य हैं लेकिन इन तमाम बदलावों से केपी ट्रस्ट का विस्तार और ताकत बढ़ेगी। सदस्यों की संख्या अब लाखों में पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में गवर्निंग कौंसिल ने निर्वाचन अधिकारी को अधिकार प्रदान कर दिए हैं कि आने वाले समय में ईवीएम या ऑनलाइन माध्यम से भी कराने का विकल्प प्रस्तुत कर सकते हैं। ट्रस्ट के सदस्य देश–विदेश में हैं, जिन्हें चुनाव के दौरान मतदान के लिए प्रयागराज आना पड़ता है और उन्हें असुविधा होती है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद चुनाव की प्रक्रिया भी पारदर्शी होगी। बैठक का संचालन महामंत्री वीर कृष्ण श्रीवास्तव ने किया। एमएलसी केपी डॉ. केपी श्रीवास्तव ने अध्यक्ष को बधाई दी। मंच पर उपाध्यक्ष वित्त गोपी कृष्ण श्रीवास्तव मौजूद रहे। केपी ट्रस्ट की गवर्निंग कौंसिल ने नियमों में बदलाव करते हुए अब 50 फीसदी सदस्यों की हस्ताक्षर सहित मंजूरी या बैठक में एक तिहाई सदस्यों की उपस्थिति पर ही अविश्वास प्रस्ताव लाने का प्रावधान लागू कर दिया है। इससे पूर्व 10 फीसदी सदस्यों की मंजूरी पर अविश्वास प्रस्ताव पारित किए जाने का प्रावधान था। केपी ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. सुशील सिन्हा ने बताया कि गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश (एमपी) से कायस्थ समाज के लोगों ने उनसे संपर्क किया है। वे अपने–अपने राज्यों में केपी ट्रस्ट की शाखा खोलना चाहते हैं। जल्द ही इस पर काम शुरू किया जाएगा। अध्यक्ष डॉ. सुशील सिन्हा ने बताया कि केपी ट्रस्ट का डायोग्नोस्टिक सेंटर बनकर तैयार हो चुका है। जल्द ही इसका संचालन शुरू किया जाएगा। इसमें सदस्यों को 50 फीसदी की छूट दी जाएगी। इसके लिए सदस्यों को मेरे या किसी पदाधिकारी के पास जाने की जरूरत नहीं। आईडी कार्ड दिखाने पर उन्हें यह लाभ प्रदान किया जाएगा। बैठक के दौरान ब्लड बैंक खोले जाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। केपी ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. सुशील सिन्हा ने कहा, 'कायस्थ पाठशाला में कायस्थों को जोड़ने आया हूं, इसलिए कार्यभार संभालने के बाद सबसे पहले पूर्व अध्यक्ष टीपी सिंह से जुड़े एक विवाद का निपटारा किया। उन्हें पाठशाला से 10 साल के लिए निष्कासित किया गया था, उस निर्णय को 14 फरवरी 2024 को मेरी अध्यक्षता में हुई बैठक में वापस लिया गया और टीपी सिंह की सदस्य पद पर बहाली हुई।' डॉ. सिन्हा ने कहा कि 31 मार्च 2024 को हुई बैठक में रमेश चंद्र श्रीवास्तव द्वारा प्रस्ताव पारित किया गया था कि पूर्व महामंत्री एसडी कौटिल्य और उनके सहयोगी कुलदीप नारायण श्रीवास्तव की सदस्यता समाप्त की जाए। डॉ. सिन्हा ने गवर्निंग कौंसिल से आग्रह किया कि दोनों की सदस्यता बरकरार रखी जाए। कायस्थ पाठशाला के अध्यक्ष डॉ. सुशील सिन्हा के विरोधी गुट के सदस्य ऑनलाइन बैठक में शामिल नहीं हुए और उन्होंने ऑनलाइन बैठक में लिए गए निर्णयों को भी मानने से इनकार किया। विरोधी गुट के सदस्यों ने केपी इंटर कॉलेज परिसर में अलग से बैठक की। विरोधी गुट की ओर से कहा गया कि डॉ. सुशील सिन्हा के खिलाफ सदस्य प्रशांत श्रीवास्तव की ओर से अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, जिसे रविवार को केपी कॉलेज में हुई बैठक में सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया है। बैठक की अध्यक्षता दिलीप कुमार श्रीवास्तव ने की। इसमें पूर्व अध्यक्ष चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह, पूर्व अध्यक्ष चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष कुमार नारायण समेत एसडी कौटिल्य, सुमित श्रीवास्तव, अजय कुमार श्रीवास्तव, हरिश्चंद्र श्रीवास्तव, रवि श्रीवास्तव, प्रशांत श्रीवास्तव, नीरज श्रीवास्तव, अखिलेश कुमार श्रीवास्तव, कुलदीप नारायण श्रीवास्तव, संचित निधि श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

मृतक पत्नी को बांझ बताने वाले पति का हो पौरुष शक्ति परीक्षण, बच्चे न होने से अवसाद में थी पत्नी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जमानत पाने के लिए आत्महत्या करने वाली पत्नी को बांझ बताने वाले पति के पौरुष शक्ति की जांच कराने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि बच्चे पैदा न होने का कारण हमेशा पत्नी ही नहीं होती। बच्चे न होने के लिए कभी कभी पति भी जिम्मेदार होता है। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव की अदालत ने मोनी उर्फ मोनू की ओर से दाखिल जमानत याचिका पर दिया हैं।

मामला हापुड़ जिले के गढ़मुक्तेश्वर थाना क्षेत्र का है। दहेज की मांग लो लेकर पत्नी को प्रताड़ित करने और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में याची हापुड़ जेल में बंद है। याची ने रिहाई के लिए हाईकोर्ट ने जमानत याचिका दाखिल कर तर्क दिया है कि उसकी पत्नी बच्चा न होने से अवसाद में थी, जिसके कारण उसने आत्महत्या कर ली। याची के इस तर्क से हैरान कोर्ट ने उस तथ्य की पुष्टि के लिए सरकार की दस दिन के भीतर याची का पौरुष शक्ति परीक्षण करा कर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि बच्चा पैदा न होने के लिए हमेशा महिलाएं को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। कभी कभी पुरुष की पौरुष शक्ति में कमी के कारण भी बच्चे पैदा नहीं होते। मामले की अगली सुनवाई 12 नवंबर को होगी।

जन सहयोग तथा लोक भागीदारी से भयहरणनाथ धाम के प्रशासनिक कार्यालय का होगा जीर्णोद्धार

भव्यता से मनाया जायेगा 25वां महाकाल महोत्सव

भयहरणनाथ धाम में निहित स्वार्थ के लिए कोई स्थान नही : प्रबन्ध समिति

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में प्रबन्ध संस्था भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान की प्रबन्ध समिति की बैठक श्री श्री रविशंकर ज्ञान मन्दिर में स्थित प्रशासनिक कार्यालय में हुई। बैठक में तय हुआ कि प्रबन्ध समिति द्वारा जन सहयोग तथा लोक भागीदारी से प्रशासनिक कार्यालय का जीर्णोद्धार 15 नवम्बर से प्रारम्भ किया जायेगा। प्रबन्ध समिति सदस्यों ने स्पष्ट किया कि धाम में सार्वजनिक तथा सामाजिक धार्मिक महत्व का स्थान है यहां स्वार्थ व लोभ तथा निजी हित का कोई महत्व नही है सभी भक्त व कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से ही अपनी सेवायें दें। बाबा भयहरणनाथ धाम में हुई बैठक की अध्यक्षता कार्यवाहक अध्यक्ष व कोषाध्यक्ष लाल जी सिंह ने किया तथा संयोजन व संचालन धाम के महासचिव समाज शेखर ने किया। नगर पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि के रूप में अखिल प्रताप सिंह ने प्रतिभाग किया। बैठक में सबसे पहले चर्चा हुई कि प्रशासनिक परिसर में स्थित कार्यालय की दशा काफी जर्जर है जिसे महाशिवरात्रि से पूर्व ठीक किया जाना नितांन्त आवश्यक है। अतिथि गण व सुरक्षाकर्मी तथा अन्य कार्य संचालन हेतु यही एक स्थान है। गहन विचारोपरान्त तय हुआ कि 15 नवम्बर से उक्त पुनीत कार्य प्रारम्भ किया जाए। जिसके क्रियान्वयन हेतु कार्यवाहक अध्यक्ष लालजी सिंह के संयोजन में उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह, उपाध्यक्ष कार्यक्रम उमाकान्त पाण्डेय, उपाध्यक्ष संगठन डा0 अमर बहादुर सिंह तथा प्रबन्ध समिति सदस्य प्रभाकर पाण्डेय व शत्रुघ्न सिंह को जिम्मेदारी दी गई। सचिव के रूप में उपाध्यक्ष वित एवं लेखा राजीव नयन मिश्र को जिम्मेदारी दी गई। समन्वय व सहयोग हेतु कार्यालय प्रभारी संजीव मिश्र को जिम्मेदारी दी गई। तय हुआ कि उक्त कार्य हेतु संस्था के खाते में ही सहयोग राशि ली जायेगी। जिसमें सभी सदस्य तथा क्षेत्रीय भक्त गण अपना आर्थिक व संसाधन का सहयोग कर सकेगें। महासचिव समाज शेखर को जिम्मेदारी दी गई की उक्त कार्य की नियमानुसार योजना बनाकर सार्वजनिक रूप से जनसहयोग तथा लोकभागीदारी हेतु दिशा निर्देश 30 अक्टूबर तक अवश्य जारी कर दें जिससे जन सामान्य जागरूक हो अपनी भूमिका निभा सके। उपस्थित सदस्यों ने अपनी अपनी सहयोग राशि व संसाधन का सार्वजनिक रूप से घोषित कर संकल्प व्यक्त किया। बैठक में आगामी महाशिवरात्रि के पर्व पर होने वाले 25 वें महाकाल महोत्सव के आयोजन पर चर्चा हुई। तय हुआ कि रजत जयन्ती वर्ष होने तथा कुम्भ मेला के दृष्टिगत इस बार भव्यता के साथ 25वें महाकाल महोत्सव का आयोजन होगा। जिसमें सरकारी तथा गैर सरकारी विभागों व स्थानीय संस्थाओं के सहयोग से भव्य मेला व महोत्सव आयोजित होगा। इस सम्बन्ध में सभी पहलुओं पर सम्यक विचार करके जल्द प्रभावी कदम उठाने का निर्णय हुआ। प्रबन्ध समिति सदस्यों ने अवगत कराया कि कुछ निहित स्वार्थी तत्व धाम की गतिविधियों में निरन्तर अनाधिकार प्रयास कर रहे है। जिस पर सर्वसम्मति से तय हुआ कि ऐसे तत्वों को चिन्हित कर पुलिस के माध्यम से आवश्यक कार्यवाही की जाए। आवश्यकतानुसार स्थानीय समाज की भी भागीदारी की जाए। धाम की सम्पूर्ण प्राचीन व वर्तमान भूमि को राजस्व विभाग के माध्यम से भौतिक रूप से उपलब्धता हेतु आवश्यक कार्यवाही हेतु महासचिव को अधिकृत किया गया। वहीं कार्यालय प्रभारी संजीव मिश्र द्वारा बताया गया कि कुछ फर्जी संस्थाएं व व्यक्ति व व्यवसायिक संगठन धाम के नाम का अनाधिकार लाभ लेने हेतु अपना निजी बैनर धाम में मुख्य मन्दिर सहित कही भी लगा देते हैं। आपस में विवाद भी करते हैं। ऐसे में तय हुआ कि सरकारी, नगर पंचायत तथा प्रबन्ध संस्था के अलावा निजी व व्यवसायिक बैनर धाम परिसर में नही लगाए जायेगें। जिसके सम्बन्ध में पूर्व में भी निर्णय हुए है। धार्मिक आयोजन के बैनर पूर्व निर्धारित स्थल पर लगेगें। नगर पंचायत तथा स्थानीय पुलिस चौकी के साथ समन्वय स्थापित कर सभी व्यवस्थाएं सुचारू संचालन किया जाना तय हुआ। बैठक के अन्त में धाम से जुडे प्रमुख युवा कार्यकर्ता सूरज सिंह के आकस्मिक निधन तथा संरक्षक सेठ राजा राम अग्रहरि के निधन पर दुख प्रकट करते हुए दो मिनट का मौन रखकर विनम्र श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से डा0 बीरेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह, उपाध्यक्ष कार्यक्रम उमाकान्त पाण्डेय, उपाध्यक्ष वित एवं लेखा राजीव नयन मिश्र डा0 अमर बहादुर सिंह अनिल मिश्र सोनू, डा0 बृजेश सिंह, गुरू ओम मिश्र, श्रवण सिंह, बुद्धि प्रकाश द्विवेदी, अरविन्द प्रताप सिंह, उमाकान्त पाण्डेय, प्रभाकर पाण्डेय, तेज बहादुर सिंह, शत्रुघन सिंह, यथार्थ शेखर व कार्यालय प्रभारी संजीव मिश्र नीरज आदि मौजूद रहे।

आरेडिका में सर्तकता जागरूकता सप्ताह की शुरूआत

रायबरेली सआधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली में सतर्कता जागरूकता सप्ताह– 2024 की आज दिनांक 28.10.2024 को शुरूआत की गई। इस अवसर पर सतर्कता प्रतिज्ञा

ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इसमें महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने नीतिपरक कार्य पद्धतियों को अपनाने, ईमानदारी और सत्यनिष्ठा की संस्कृति को प्रोत्साहन देने तथा रिश्वत न लेने और न देने की नीति संहिताओं का अनुपालन करने के लिए शपथ दिलायी। इसी के साथ ही अन्य सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने–अपने कार्य स्थल पर शपथ ग्रहण की। प्रशासनिक सभागार में प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राजीव खण्डेलवाल ने ''गुणवत्ता में सुधार और सर्तकता पहलुओं '' पर एक प्रजेण्टेशन के माध्यम से समझाया कि हम किस प्रकार एक गुणवत्ता में सुधार के लिए एक लिखित योजना बना सकते हैं जिससे बड़ी आसानी से गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है। इसी कड़ी में आज शॉपिंग कॉम्पलेक्स में ''सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि'' विषय पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस अवसर आरेडिका के मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं एसडीजीएम अकमल वदूद, प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता विवेक खरे, प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता हरीश चन्द्र, प्रधान वित्त सलाहकार बीएल मीना, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राजीव खण्डेलवाल, प्रधान मुख्य अभियंता एसपी यादव, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री रमेश चन्द्र सहित उच्च अधिकारी एवं कर्मचारियों उपस्थित रहे।

एनसीसी कैडेटों की ओर से शुरू की गई नौकायन यात्रा का प्रयागराज में भव्य स्वागत

प्रयागराज। महाकुंभ से पहले यूपी नेवल यूनिट एनसीसी लखनऊ की ओर से नदियों की स्वच्छता के लिए नौकायन अभियान चलाया जा रहा है। कानपुर से चलकर प्रयागराज पहुंचने पर रविवार को विशेष नौकायन अभियान–2024 का प्रयागराज में स्वागत किया गया। इस दौरान कैडेटों ने रंगारंग प्रस्तुतियों से भी नदियों की स्वच्छता का संदेश दिया। ह यात्रा वाराणसी, बक्सर, पटना, फरक्का होते हुए कोलकाता जाएगी। जगह–जगह पड़ाव के दौरान एनसीसी अफसरों और कैडेटों की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए लोगों को नदियों की स्वच्छता का संदेश दिया जाएगा। लगभग 1600 किलोमीटर की इस यात्रा में लोगों को पौराणिक परंपरा, भौगोलिक भव्यता एवं गंगा की महत्ता को करीब से जानने का अवसर मिलेगा। प्रयागराज पहुंचने पर गाजे–बाजे के साथ नौकायन यात्रा का स्वागत किया गया। इसके बाद आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में कैडेटों ने गंगा बहती हो क्यों, नैतिकता नष्ट हुई, मानवता भ्रष्ट हुई... और चंचल सी मैं बहती हूं...सहित एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों से न सिर्फ गंगा की स्वच्छता का संदेश दिया, बल्कि इसकी महिमा और महत्ता का भी बखान किया। साथ ही समाज को झकझोरने का भी प्रयास किया।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं0: 10820242025 दिनांक: 25.10.2024

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/प्रयागराज निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डेरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.: 1 | ई-निविदा सूचना सं.: 10820242025-231 | अनुमानित लागत (रु. में): ₹ 1,42,61,775.20

कार्य का नाम: SFG में 02 नंबर 50 KLD STP का संचालन और रखरखाव, 1 नंबर मालगोदाम में दू रनिंग रूम में 70 KLD STP, 01 नंबर 80 KLD STP एवं 01 नंबर केंद्रीय अस्पताल में 05 वर्षों के लिए 20KLD ETP एवं 02 नंबर 50 KLD STP के संबंध में अन्य संबंधित कार्य सूबेदारगंज में।

अमानत राशि (रू में): ₹ 2,21,300.00, निविदा बंद होने की तिथि: 18.11.2024 को 12.00 बजे, कार्य समापन की अवधि: 60 माह, कार्य की प्रकृति: सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट / एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट / वाटर रीसाइक्लिंग प्लांट की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग / संचालन और रखरखाव।

क्र.सं.: 2 | ई-निविदा सूचना सं.: 10820242025-232 | अनुमानित लागत (रु. में): ₹ 1,63,30,562.00

कार्य का नाम: दो साल की अवधि के लिए ADEN/मुख्यालय/I और ADEN/मुख्यालय/II PRYJ के अनुभाग में आरसीसी ओवर हेड जल भंडारण टैंकों की आवधिक सफाई और कीटाणुशोधन।

अमानत राशि (रू में): ₹ 2,31,700.00, निविदा बंद होने की तिथि: 18.11.2024 को 12.00 बजे, कार्य समापन की अवधि: 24 माह, कार्य की प्रकृति: कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

क्र.सं.: 3 | ई-निविदा सूचना सं.: 10820242025-233 | अनुमानित लागत (रु. में): ₹ 67,34,925.34

कार्य का नाम: जीएम कार्यालय परिसर में डी-ब्लॉक में अरावली कॉन्फ्रेंस हॉल, जीएम चैंबर आदि का नवीनीकरण।

अमानत राशि (रू में): ₹ 1,34,700.00, निविदा बंद होने की तिथि: 18.11.2024 को 12.00 बजे, कार्य समापन की अवधि: 06 माह, कार्य की प्रकृति: कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

नोट:- (1) पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। 1876/24(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

'खानम आर्ट गैलरी द्वारा प्रायोजित 'बहारे हुनर' प्रोग्राम में महिलाओं और बच्चों ने दिखाएं अपने-अपने शानदार हुनर'

'बहारे हुनर कला प्रदर्शनी में हाथ से बनी हुई कला तियों ने दर्शकों का मन मोह लिया'

प्रयागराज सखानम आर्ट गैलरी करैली में एक बार फिर हुनरमंद महिलाओं व विद्यार्थियों के एक ही स्थान पर कई प्रकार की कलाकृतियों की शॉपिंग के लिए खानम आर्ट गैलरी के द्वारा पांचवा बहारें हुनर कार्यक्रम का आयोजन किया गया । विभिन्न प्रतियोगिताओं में अल्पना, चित्रकला, मेहंदी, मास्टर सैफ प्रतियोगिताएं प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहीं। कलाकारों के लिए गैलरी निदेशक डॉ जाहेदा खानम इसी तरह बेहतरीन प्लेटफॉर्म प्रदान करतीं रहीं हैं जहां बड़े और बच्चों के लिए बहुत सारी क्रिएटिविटी है, खानम आर्ट गैलरी की निदेशक डॉ जाहेदा खानम ने विशिष्ट अतिथि रवीन्द्र कुशवाहा एवं दिल्ली के प्रसिद्ध चित्रकार अशोक तिवारी व अन्य अतिथियों के साथ फीता काटकर बहारे हुनर का उद्घाटन किया। जूरी मेंबर में राज्य ललित कला अकादमी के सम्मानित सदस्य कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, कलाकार अशोक तिवारी व कलाकार तलत महमूद ने चित्रकला, अल्पना, मेहंदी प्रतियोगिता का निर्णय किया तथा मास्टर सैफ प्रतियोगिता में जूरी मेंबर डॉ जाहेदा खानम, इरफाना कादरी, एवं फातमी इकबाल रहीं। मुख्य अतिथि असरा नवाज,विशिष्ट अतिथि कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, अशोक तिवारी, तलत महमूद, ईरफाघ्ना कादरी, फाघ्तमी इकबाल,डॉ गजाघ्ला, डॉ सुबिया, प्रोफेसर युसूफा नफीस, नघ्रीन शकील,सैयद सर ,आस्लम परवीन को सर्वप्रथम बैच लगाकर पुष्पगुच्छ एवं ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। तत्पश्चात् सभी विजेता प्रतियोगियों को प्रथम, द्वितीय,तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार में ट्रॉफी, मेडल तथा प्रमाण–पत्र से पुरस्कृत किया गया तथा बहारे हुनर के आर्ट एवं क्राफ्ट में बेस्ट शॉप का पुरस्कार रुबीना ने जीता। मंच संचालन डॉ जाहेदा खानम ने किया और अंत में उन्होंने बहारे हुनर को सफल बनाने के लिए सभी अतिथियों, प्रतियोगियों, दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

'नादिया, आयशा, जैनब, अलीजा और फातमा रहीं प्रथम, शाबिका, अंसारी, दानिया एवं जिकरा रहीं द्वितीय'

'जनपद स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में हमीदिया गर्ल्स इन्टर कालेज की 20 छात्राओं ने किया प्रतिभाग'

प्रयागराज। जीआईसी में आयोजित जनपद स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी–2024 में हमीदिया गर्ल्स इन्टर कालेज की सीनियर एवं जूनियर संवर्ग की 20 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सभी छात्राओं ने विज्ञान पर आधारित विभिन्न प्रकार के माडल प्रस्तुत कर जनपद में नाम रौशन किया। सीनियर वर्ग में शाबिका खातून, फातमा अंसारी, दानिया फातमा ने द्वितीय स्थान प्राप्त एवं अलीना फातमा को तृतीय स्थान मिला जूनियर वर्ग में नादिया अंसारी, आयशा कैस, जैनब बानो, अलीजा इसरार और फातमा अरशद को प्रथम, जिकरा हैदरी को द्वितीय तथा अरफा यासमीन और जियाना चाँद को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। छात्रों के प्रदर्शन पर खुशी का इजहार करते हुए कालेज की प्रधानाचार्या हमीदा बानो, साइंस की इंचार्ज शीरीन आसिफ एवं खुशनूदा फारूकी, फरहा उस्मानी, रूखसाना बेगम सहित अन्य क्षिकाओं ने भी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामनाओं संग बधाईयां दीं।

कमला बहुगुणा स्मृति वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित

प्रयागराज सउत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड के उच्च शिक्षण संस्थानों में श क्या महिलाओं को आरक्षण देने से वास्तविक समानता हासिल की जा सकती है? श इस विषय पर संचालित हो रही कमला बहुगुणा स्मृति वाद–विवाद प्रतियोगिता 28 अक्टूबर को जगत तारन गर्ल्स डिग्री कालेज में महाविद्यालय की बौद्धिक क्रियाकलाप समिति के तत्त्वावधान में सम्पन्न हुई.

प्रतियोगिता की आयोजिका पूर्व सांसद प्रो. रीता बहुगुणा जोशी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये छात्राओं को इस प्रतियोगिता के निहितार्थ समझाया. उन्होंने कहा कि ज्यादातर युवा महिला आरक्षण की आवश्यकता को नकार रहे हैं जो कि एक नए प्रगतिशील समाज को प्रतिबिम्बित कर रहा है. निर्णायक मंडल में डा. प्रभा मिश्रा , पीसीएस अधिकारी, डा. प्रतिमा चौतन्य, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय की प्रो. रतनकुमारी वर्मा सम्मिलित रहीं. प्राचार्या प्रो. आशिमा घोष ने अतिथियों का स्वागत किया और प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं.. संचालन डा. फातिमा नूरी एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. प्रमा द्विवेदी ने किया.

आयोजन में कमला बहुगुणा समिति के स्वप्निल द्विवेदी, संजय उपाध्याय एवं अंकिता उपाध्याय की महत्वपूर्ण भूमिका रही.

प्रतियोगिता में लगभग 60 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया. अत्यंत रोचक मुकाबले के बाद अनन्या सिंह,साक्षी दुबे और सपना मौर्या ने क्रमशरू प्रथम ,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया. इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण प्रो काजल देब, डा. अजिता ओझा, डा. माधुरी राठौर, डा. रमा गुप्ता, डा.आशीष मिश्र, डा. अनुज वर्मा, डा. कस्तूरी भारद्वाज, डा. अंजलि शिवहरे इत्यादि उपस्थित रहे.

अंसार क्लब मंडौर बना कैशमनी वॉलीबाल प्रतियोगिता का चौंपियन. एंबीशन क्लब पुलिस लाइन प्रयागराज की टीम बनी उपविजेता।

विवेक शुक्ला बने प्रतियोगिता के मैन अॅाफ दी मैच।

प्रयागराज। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन,प्रयागराज के तत्वावधान में अंसार क्लब मंडौर,फूलपुर के सौजन्य से ए.पी.जे. अब्दुल कलाम आजाद क्रीड़ा स्थल पर आयोजित एक दिवसीय कैशमनी वॉलीबाल प्रतियोगिता की ट्रॉफी पर अंसार क्लब मंडौर,फूलपुर की टीम ने कब्जा कर जीत लिया। प्रतियोगिता में कुल 26 टीमों ने प्रतिभाग कर अपने खेल–कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच शुरू होने से पहले अतिथि

के रूप में उपस्थित फूलपुर से पूर्व भाजपा सांसद केसरी देवी पटेल ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका हौसला अफजाई किया। देर रात्रि खेले गए प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला एंबीशन क्लब पुलिस लाइंस प्रयागराज और अंसार क्लब मंडौर,फूलपुर के बीच खेला गया। जिसमें अंसार क्लब मंडौर ने एंबीशन क्लब पुलिस लाइंस की टीम को सीधे दोनों सेटों में 25 – 19 और 25 – 21 अंकों से हराकर कैशमनी वॉलीबाल प्रतियोगिता की चम–चमाती ट्रॉफी अपने नाम कर ली। विजेता टीम के अब्दुल्ला, विवेक शुक्ला व आजम खां तथा उपविजेता टीम के सुरेंद्र कुमार, अंकित व अभिषेक का खेल बहुत ही सराहनीय रहा। वहीं प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मैचों के दौरान अतिथि के रुप मे उपस्थित विधानसभा हड़िया से सपा के वर्तमान विधायक हाकीम लाल बिंद और फूलपुर विधानसभा से सपा प्रत्याशी हाजी मुस्तफा सिद्दीकी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया था। प्रतियोगिता के प्रथम सेमीफाइनल मैच में एंबीशन क्लब पुलिस लाइंस की टीम ने रेलवे कोरल क्लब प्रयागराज की टीम को 25 – 20, 22 – 25 और 25 – 18 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। वहीं दूसरे सेमीफाइनल मैच में अंसार क्लब मंडौर ने राजू युवा स्पोर्टिंग क्लब की टीम को 25 – 23 और 26 – 24 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। प्रतियोगिता में अल्ताफ अली, मुकेश शुक्ला, विकास बाल्मीकि, राजू, सुभाष, उबैद व विनोद आदि ने निर्णायक की भूमिका अदा की। प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर उपस्थित फूलपुर विधानसभा से बसपा प्रत्याशी जितेंद्र सिंह, मकसूद अहमद व ग्राम प्रधान बेलाल अहमद की गरिमामयी उपस्थिति में विजेता टीम अंसार क्लब मंडौर,फूलपुर को ट्रॉफी व ग्यारह हजार रुपये की नगद धनराशि मयूर टेलर्स की तरफ से तथा उपविजेता टीम एंबीशन क्लब पुलिस लाइंस प्रयागराज की टीम को ट्रॉफी व सात हजार रुपये की नगद धनराशि ग्राम प्रधान मंडौर की तरफ से प्रदान की गई। आयोजन समिति के उपाध्यक्ष आजम खां ने प्रतियोगिता में पधारें सभी अतिथियों का बैच लगाकर व माल्यार्पण कर स्वागत किया। प्रतियोगिता में मैन ऑफ दी मैच का पुरस्कार विजेता टीम के खिलाड़ी विवेक शुक्ला को प्रदान किया गया। वहीं मैन ऑफ दी सीरीज का पुरस्कार अब्दुल्ला को तथा बेस्ट प्लेयर का पुरस्कार उपविजेता टीम के खिलाड़ी अभिषेक कुमार को प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं कमेंट्री मो.जैक सेख(आजमगढ़) एवं अजय यादव ने किया। आयोजन समिति द्वारा मेजबान अंसार क्लब मंडौर के पूर्व वॉलीबाल खिलाड़ी बच्चें मियां, मो.यूनुस, विनोद यादव उर्फ पाले, मो.हुसैन, संजय सिंह व मो.अल्ताफ को शाल व माल्यार्पण कर सभी को सम्मानित किया गया। अंत मे आयोजन समिति के अध्यक्ष हसीब अहमद से प्रतियोगिता में पधारें सभी अतिथियों, खिलाड़ियों, निर्णायकों व समस्त ग्रामवासियों का आभार व्यक्त करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। उक्त अवसर पर आयोजन समिति की ओर से साकेत सिंह, मकसूद अहमद, मो.यूसुफ खां, हरिकेश विश्वकर्मा, बबलू भाई, नदीम, मो.महफूज, मो.कैफू, संजय यादव, बच्चे मियां, मो.दाऊद, मोनू खां, मो.हुसैन, तारिक, मो.कैफ आदि खिलाड़ी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।।

विद्यार्थी ग्रुप के दीवाली सम्मान समारोह कार्यक्रम में कवियों ने समां बांधा,

श्रृंगवेरपुर में श्री राम जानकी नगर परियोजना तीर्थ क्षेत्र के विकास में सहायक – अनुज विद्यार्थी

प्रयागराज। दीपावली और धनतेरस के अवसर पर विद्यार्थी ग्रुप द्वारा स्थानीय केजीएफ विला में आयोजित खेल, मनोरंजन और लकी ड्रा के कार्यक्रम में हास्य कलाकार संजय भाई एवं कवि अभिजीत मिश्र

एवं शिवम भगवती ने खूब समां बांधा। आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यार्थी ग्रुप के सीएमडी अनुज विद्यार्थी ने कहा कि विद्यार्थी ग्रुप की महत्वाकांक्षी परियोजना श्री राम जानकी नगर श्रृंगवेरपुर तीर्थ क्षेत्र में आध्यात्मिक, आवासीय और धार्मिक दृष्टिकोण से संचालित है जिस तरह से सरकार द्वारा श्रृंगवेरपुर तीर्थ क्षेत्र को विकसित करने के लिए अनेक परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है इस तरह विद्यार्थी ग्रुप भी श्रृंगवेरपुर तीर्थ क्षेत्र को विकसित करने में अपनी छोटी सी भूमिका निभा रहा है। विद्यार्थी ग्रुप की सीईओ अनुष्का विद्यार्थी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हमेशा की तरह विद्यार्थी ग्रुप देश और समाज के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करता रहता है इसमें लोगों की भागीदारी समूह की सबसे बड़ी संपत्ति है। इस अवसर पर मशहूर हास्य कलाकार संजय भाई ने अपने प्रस्तुति में लोगों को खूब हंसाया और गुदगुदाया। कवि अभिजीत मिश्रा और शिवम भगवती भी प्रभावी रहे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से फाफामऊ विधानसभा क्षेत्र के विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, विशिष्ट अतिथि प्रधानमंत्री बाल पुरस्कार से सम्मानित अनुष्का पाठक, निदेशक मनीषा पांडेय, जनरल मैनेजर प्रियंका सिंह, आदित्य मिश्रा(अधिवक्ता),एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंतिमा पाण्डेय, वाइस प्रेसिडेंट अक्षय पाण्डेय,यश पाण्डेय, सहित कार्यक्रम में विद्यार्थी समूह से जुड़े प्रमोटर कंपनियों के सैकड़ो लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अपनी एंकरिंग से अभिजीत मौर्य ने समा बांधा!!

सम्पादकीय.....

धरती से असमान तक कचरें का कहर

जमीन से आसमान तक कचरे का जो कहर बरस रहा है वह आने वाले समय में मानव जीवन बड़ी चुनौती बनने जा रहा है। वह एक ऐसी चुनौती होगी जिसका शायद मानव सामना करने में अपने आप को अक्षम पाएगा। एक अनुमान के मुताबिक साल 2050 तक कचरे का उत्पादन 3.78 बिलियन मीट्रिक टन होने का अनुमान है। यही नही समुद्र में हर साल लाखों मीट्रिक टन प्लास्टिक कचरा जाता है। अब बॉत कर ले अंतरिक्ष में कचरे की तो वहॉ भी स्थिति अब चुनौती पूर्ण होने जा रही है। इस समय चार हजार तीन सौ टन उपग्रहीय कचरा मौजूद है।दुनिया भर में धरती और असमान पर कचरे की वजह से प्रदूषण से लेकर अन्य गंभीर समस्याएं चुनौती बनी हुई हैं। मगर यह समस्या केवल धरती तक सीमित नहीं है। मनुष्य की गतिविधियां अंतरिक्ष में भी कचरा फैला रही हैं। विडंबना यह है कि इसकी चिंता वे बड़े देश भी नहीं कर रहे जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। खासतौर पर अमेरिका, चीन, रूस और फ्रांस जैसे कुछ देशों ने जिस तरह प्रयोगों के मामले में होड़ मचाई है, उसी का नतीजा है कि आज अंतरिक्ष में हजारों टन कचरा पृथ्वी की कक्षा के लिए खतरा बन गया है। दूसरे ग्रहों पर जीवन और पानी खोज में या एक दूसरे की जासूसी के लिए सैन्य तथा दूरसंचार उपग्रह आज भी लगातार छोड़े जा रहे हैं। चिंता की बात है कि इनमें से ज्यादातर अपना निर्धारित समय पूरा होने के बाद कबाड़ में बदल जाते हैं। पृथ्वी की कक्षा में इनके आने से स्वाभाविक रूप से जोखिम बढ़ जाता है। इस समय अंतरिक्ष में बड़ी संख्या में निष्क्रिय उपग्रह और राकेट हैं जो आपस में टकरा कर न केवल अंतरिक्ष स्टेशन, बल्कि पृथ्वी के लिए भी खतरा बन सकते हैं। पचास के दशक में शुरू हुआ अंतरिक्ष युग का सुनहरा दौर एक बुरे सपने में बदल जाएगा, यह किसने सोचा था। पिछले दिनों एक अमेरिकी संचार उपग्रह के बीस टुकड़े में बंटने के बाद यह बहस हो रही है कि अब इसके कबाड़ का क्या होगा? अंतरिक्ष में कचरे की पहचान करउन्हें नष्ट करना आज भी वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है। जितनी बड़ी संख्या में अंतरिक्ष कबाड़ खिसकते हुए पृथ्वी की कक्षा में चले आए है, वह सचमुच डरावना है। यह कचरा धरती पर गिरा तो भारी तबाही मच सकती है। अमेरिकी संचार उपग्रह इंटेलसैट–33 ई का अपनी कक्षा में टूट जाना कोई सामान्य घटना नहीं। चिंताजनक यह है कि इसके मलबे के इतने हिस्से बने होंगे कि इसको देख पाना भी मुश्किल होगा। यह अकेली घटना नहीं है। इससे पहले भेजे गए कई उपग्रह प्रयोग में आने के बाद कबाड़ हो चुके हैं। नासा का कहना है कि बीस हजार से अधिक कबाड़ पृथ्वी की कक्षा में घूम रहे हैं।सवाल यह है कि जिन देशों की वजह से अंतरिक्ष में मलबा जमा हो रहा है, उनकी कोई दम जिम्मेदारी है कि नही ?दरअसल, अंतरिक्ष में एकत्रित हो रहा कचरे का ढेर भविष्य में धरती पर रह रहे लोगों के साथ–साथ यहां सक्रिय तमाम उपग्रहों, अंतरिक्ष यात्रियों और अंतरिक्ष स्टेशन के लिए भी बेहद घातक साबित हो सकता है। इतना ही नहीं, इससे हमारी संचार व्यवस्था के भी प्रभावित होने का खतरा पैदा हो सकता है। ऐसे में जिस तरह से आज आधुनिक तकनीक आधारित तमाम गैजेट्स हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन गए हैं, उससे अलग तरह के नुकसान की आशंका भी हो सकती है। इंसान विज्ञान के जरिये अपनी सुविधाएं बढ़ा रहा है लेकिन उसका ध्यान इस बात पर नहीं जा रहा है कि इससे धरती की क्या हालत हो रही है. आपने धरती पर तो कूड़ा–कचरा फैला हुआ बहुत बार देखा होगा. सामान्य कचरे से लेकर इलेक्ट्रिक कचरे तक ने धरती की सेहत खराब कर दी है लेकिन आज हम आपको दिखाते हैं कि इंसान ने अंतरिक्ष में भी कितना कचरा फैला रखा है.इस समय पृथ्वी के ऑर्बिट में करीब नौ हजार सैटेलाइट्स मौजूद हैं. 2030 तक इनकी संख्या साठ हजार होने की उम्मीद है. ये सैटेलाइट्स कई बार स्पेस में आपस में टकरा जाते हैं. इसी वजह से स्पेस में कचरा जमा हो जाता हैएक हालिया रिपोर्ट में केवल एक वर्ष में वैश्विक स्तर पर 62 मिलियन मीट्रिक टन ई–कचरा उत्पन्न होने की बात सामने आई है, यह आंकड़ा 2030 तक एक तिहाई बढ़कर 82 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंचने का अनुमान है।. कुल मिलाकर धरती से लेकर असमान तक जो कचरा हम बढ़ाते जा रहे है वह आने वाले समय में हमारे विकास का नही विनाश का कारण बनने को तैयार है।

सभी धर्मों में जगमग त्योहार की

आर.सी.शर्मा

दिवाली हिंदू धर्म में ध न, समृद्धि और वैभव की देवी लक्ष्मी की पूजा का दिन भी है। यह अज्ञानता पर ज्ञान की विजय का भी पर्व है। इस पर्व का रिश्ता भगवान श्रीकृष्ण से भी है।

भारत में जन्में सभी प्रमुख ध र्मों हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख में दिवाली महत्वपूर्ण है। वहीं अन्य धर्मों के अनुयायियों के लिए यह धार्मिक नहीं बल्कि सामाजिक सौहार्द का विषय रही है। लेकिन जो धर्म भारत में जन्में हैं, उन सबमें दिवाली से संबंधित महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक संदर्भ है। जिस कारण जैन, बौद्ध और सिख ध र्म में भी दिवाली का पर्व हर्ष–उल्लास के साथ मनाया जाता है। दिवाली को सनातन धर्म की नजर से देखें तो यह भगवान राम के वन से वापस लौटने पर अयोध्यावासियों की खुशी का प्रतीक है। भगवान राम, अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ 14 वर्ष का वनवास बिताकर तथा लंका के राजा रावण का वध करके अयोध या वापस लौटे थे, तो अयोध यावासियों ने इस खुशी में घी के दीये जलाये थे। तब से हिंदू धर्म में दिवाली पर्व मनाया जाता है। दिवाली हिंदू धर्म में धन, समृद्धि और वैभव की देवी लक्ष्मी की पूजा का दिन भी है। यह अज्ञानता पर ज्ञान की विजय का भी पर्व है। इस पर्व का रिश्ता भगवान श्रीकृष्ण से भी है। उन्हों ने इसी दिन नरकासुर को परास्त कर 16000 महिला कैदियों को कैदखाने से मुक्त कराया था। जैन धर्म में दिवाली की धूमधाम से मनाये जाने का कारण, इस दिन इस धर्म के के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का निर्वाण 527 ईसा पूर्व इसी दिन यानी कार्तिक अमावस्या को हुआ था। इसलिए जैन धर्म के अनुयायी दिवाली को महावीर स्वामी मोक्ष प्राप्ति के दिन के रूप में मनाते हैं। इस दिन जैन समाज अपने घरों, मंदिरों को दीयों से रोशन करता है। बौद्ध धर्म में भी दिवाली मनाये जाने की भव्य परंपरा है। दरअसल कार्तिक अमावस्या के दिन ही साम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म ग्रहण किया था, तभी से बौद्ध लोग इस दिन को शांति की रोशनी के पर्व के रूप में मनाते हैं। सिख धर्म में भी दीपावली का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व है। कार्तिक अमावस्या के दिन साल 1577 में गुरु रामदास जी के हाथों अमृतसर में स्वर्ण मंदिर का शिलान्यास हुआ था। साथ ही सन 1619 में इसी दिन सिखों के छठवें गुरु, गुरु हरगोविंद जी मुगल बादशाह की कैद से आजाद हुए थे। मुगल बादशाह जहांगीर ने गुरु जी को गलत तरीके से गिरफ्तार करके ग्वालियर जेल में डाल दिया था। लेकिन जब बादशाह को गलती का अहसास हुआ तो उसने गुरु जी को छोड़ने का ऐलान किया। लेकिन गुरु हरगोविंद जी ने कहा कि वह तब तक कैद से बाहर नहीं जाएंगे, जब तक कि बंदी किये गये अन्य 52 बेकसूर राजाओं को भी रिहा नहीं किया जायेगा। अंततः जहांगीर को गुरु जी के साथ 52 बेकसूर राजाओं को भी कैद से छोड़ना पड़ा। इसके बाद जब गुरु हरगोविंद जी अमृतसर पहुंचे तो लोगों ने उनके स्वागत में घी के दीये जलाये गये। तब से सिख भी रोशनी पर्व 'बंदीछोड़ दिवस'के रूप में मनाते हैं।

वैश्विक शांति, स्थिरता और प्रगति के लिए भी महत्वपूर्ण है भारत चीन की पहल

अशोक मधुप

भारत चीन दोनों ने दावा किया है कि पूर्वी लद्दाख सेक्टर के डेमचोक और देपसांग में दो टकराव बिंदुओं पर भारत और चीन के सैनिकों की वापसी शुरू हो गई है। रक्षा अधिकारियों ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच हुए समझौतों के अनुसार, भारतीय सैनिकों ने संबंधित क्षेत्रों में पीछे के स्थानों पर अपने उपकरण वापस खींचना शुरू कर दिया है। ऐसा होने से पिछले चार साल से अधिक समय से चल रहा सैन्य गतिरोध समाप्त हो गया है। चीन ने भी ऐसा ही दावा किया है। सीमा से सेना की वापसी एक अच्छी पहल है। इससे विवाद वाले देशों में शांति होती है। विकास होता है। अब तक तनाव के दौरान सीमा और सेना पर किया जा रहा व्यय देश के विकास पर खर्च होगा। इतना सब होने पर भी चीन के रवैये को देखकर उस पर यकीन नही किया जा सकता। उसके बहुत सावधान रहने की जरूरत है। सीमा पर विकास कार्य लगातार चलाए रखने होंगे। सीमा तक सेना के अवागमन को सरल करने की प्रक्रिया चलती रहनी चाहिए। सीमा क्षेत्र में सूचना तंत्र विकसित करने का कार्य लगातार चलना चाहिए। 24 अक्टूबर को नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत और चीन दोनों देश समान और पारस्परिक सुरक्षा के सिद्धांतों के आधार पर "जमीनी स्थिति" बहाल करने के लिए आम सहमति पर पहुंच गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इसमें "पारंपरिक क्षेत्रों में गश्त और चराई" की बहाली शामिल है। रक्षा मंत्री ने संबंधों में प्रगति का श्रेय "निरंतर बातचीत में संलग्न होने की शक्ति को दिया, क्योंकि जल्द या बाद में, समाधान निकलेगा।" बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की और पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गश्त व्यवस्था पर दोनों देशों के बीच हुए समझौते का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखना दोनों देशों की प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए और आपसी विश्वास द्विपक्षीय संबंधों का आधार बना रहना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत–चीन संबंध न केवल दोनों देशों के लोगों के लिए बल्कि वैश्विक शांति, स्थिरता और प्रगति के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। वहीं विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने 22 अक्टूबर को नई दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने चीन के साथ गश्त व्यवस्था पर एक समझौता किया है, जिससे वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति मई 2020 से पहले जैसी हो जाएगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (स।ब) पर पेट्रोलिंग (गश्त) को लेकर हुए समझौता का श्रेय भारतीय सेना और कूटनीति को दिया। पूर्वी लद्दाख में देपसांग और डेमचोक क्षेत्रों में दोनों देशों की सेनाओं के बीच शुक्रवार को डिसएंगेजमेंट (सैनिक वापसी) की प्रक्रिया शुरू हुई, जो 29 अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी। इसके बाद 30–31 अक्टूबर से गश्त फिर से शुरू की जाएगी। पुणे में छात्रों के साथ संवाद

करते हुए जयशंकर ने कहा कि संबंधों के सामान्य होने में अभी समय लगेगा, क्योंकि विश्वास और सहयोग को दोबारा स्थापित करना लंबी प्रक्रिया है। विदेश मंत्री ने बताया कि हाल ही में रूस के कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक में यह निर्णय लिया गया कि दोनों देशों के विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बैठक करेंगे और आगे की रणनीति पर विचार करेंगे। जयशंकर ने कहा, अगर आज हम उस मुकाम पर पहुंचे हैं, जहां हम हैं..तो इसका एक कारण यह है कि हमने अपनी जमीन पर डटे रहने और अपनी बात रखने के लिए बहुत दृढ़ प्रयास किया। सेना देश की रक्षा के लिए बहुत ही अकल्पनीय परिस्थितियों में (एलएसी पर) मौजूद थी, और सेना ने अपना काम किया और कूटनीति ने अपना काम किया।ष उन्होंने यह भी बताया कि भारत अब पिछले एक दशक की तुलना में पांच गुना अधिक संसाधन लगा रहा है, जिससे सेना को प्रभावी ढंग से तैनात किया जा सका है। ओआरएफ में फेलो और चीन मामलों के जानकार कल्पित मणकिकर कहते हैं कि श्ऐसा एक लंबी प्रक्रिया के तहत होता है। दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और दोनों देशों के विदेश मंत्री लगातार मुलाकात करते आ रहे हैं। पिछले चार सालों से बॉर्डर मुद्दों को सुलझाने को लेकर कोशिशें लगातार हो रही है। सेना के कमांडर स्तर पर बातें अलग से होती रही हैं। भारत और चीन दोनों की ओर से इस तरह की कोशिशें की जा रही थी। हालांकि अब जो दिख रहा है, उसके मद्देनजर इस तरह की कोशिशें क्या दिशा लेंगी, इसे लेकर अभी वेट एंड वॉच की स्थिति में ही रहा जा सकता है। 2020 की झड़प के बाद से दोनों देश सीमा पर बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, जिसे वास्तविक नियंत्रण रेखा के रूप में भी जाना जाता है। भारत द्वारा उच्च ऊंचाई वाले हवाई अड्डे तक एक नई सड़क का निर्माण चीनी सैनिकों के साथ 2020 में होने वाली घातक झड़प के मुख्य कारणों में से एक माना जा रहा है। अच्छा यह है कि दोनों देश मई 2020 की यथास्थिति पर वापस लौटने पर सहमत ही नही हुए, इस प्रक्रिया के लिए कार्य भी शुरू हो गया। सीमा विवाद के चार साल के दौरान समाचार आए की चीन सीमा पर नए हवाई अड्डे.सैनिक छावनी उनके लिए बंकर बना रहा है। अपने सीमा से सटे क्षेत्र में गांव विकसित कर रहा है। भारतीय क्षेत्र के स्थानों क नाम बदल रहा है। हालांकि विवाद की अवधि में भारत ने भी सीमा पर सुरक्षा ढांचा विकसित किया है। नए एयरबेस तैयार कर रहा है। ठंडे स्थानों में रहने के लिए सैनिकों को प्रशिक्षित करने के साथ ही उनके लिए बर्फ के दौरान भी रहने के लिए सौलर से गर्म करने वाले उनके टैंट बना रहा है। इस प्रक्रिया को भारत का और तेज करना होगा। सीमा रेखा के सटाकर गांव विकसित करने होंगे तोकि चीन की गतिविधि पर नजर रखी जा सके। एक तरह से चीन की प्रत्येक कार्रवाई का उत्तर उसके कदम ही से आगे बढकर देना होगा। एक बात और सेना की वापसी के बावजूद सीमा क्षेत्र का विकास कार्य अनवरत चलता रहना चाहिए। सीमा पर विकास कार्य लगातार चलाए रखने होंगे। सीमा तक सेना के अवागमन को सरल करने की प्रक्रिया चलती रहनी चाहिए। सीमा क्षेत्र में सूचना तंत्र विकसित करने का कार्य लगातार चलना चाहिए। सीमा क्षेत्र के गांव वालों को इसके लिए शिक्षित किया जाना चाहिए कि वे दुश्मन देश की गतिविधि पर नजर रखें। अपने क्षेत्र में तैनात अधिकारियों और सेना को छोटी–बड़ी सब सूचना दें।

आइये ज्ञान से रोशन दीप–माला से अज्ञानता के गहन अंधकार को मिटाए

दीपावली आशाओं के दीप जलाकर निराशा के अंधियारे को मिटाने का अवसर है। सकारात्मक सोच और अच्छे परिणाम की आशाओं को को लेकर कठिन परिश्रम और मनोबल के साथ जीवन में उत्तरोत्तर प्रगति करना ही दीपावली मनाने का सत्यार्थ प्रयोजन है। दीपावली का हर दीपक आशाओं का आकांक्षाओं का और महत्वाकांक्षाओं के निहितार्थ होता है। श्रम से अपने सभी प्रयास सफल कर हर उस आकांक्षा को फलिभूत करना होगा जिसकी हमने परिकल्पना की थी। आओ हम सब मिलकर आशाओं के दीप जलाएं खुशियों की दीपावली को द्विगुणित करें। पौराणिक कथाओं के अनुसार दीपावली भगवान रामचंद्र जी 14 वर्षों के वनवास के बाद समस्त बुराइयों के प्रतीक रावण के वध ा के पश्चात अयोध्या लौटने पर इनका अयोध्या वासियों द्वारा घी की दीपमालाओं को नगर में कतार में लगाकर स्वागत किया गया था। राजा रामचंद्र जी सद्गुणों,अच्छाइयों, धैर्य,संयम और देव तुल्य सद्गुणों के न सिर्फ प्रतीक माने जाते हैं बल्कि स्वयं सिद्ध देवता भी हैं, जिन्होंने संपूर्ण जगत को रावण जैसी अनंत बुराइयों से मुक्त कराया था। आज उसी परंपरा पारीपाटी को शिरोधार्य करते हुए मेहनतकश कुम्हारों और मां धरती की मिट्टी से बने पवित्र दीपों से उद्दीप्त करके समस्त सद्गुणों को द्विगुणित करने के लिए यह त्यौहार समस्त ऊर्जा और उत्साह से मनाते हैं। जगत वासी एक दूसरे से मिलकर बुराइयों के प्रतीकों को नष्ट करने का संकल्प लेकर एक दूसरे का मुंह मीठा भी कराते हैं, एवं औपचारिक तौर पर एक–दूसरे को उपहार देने का उपक्रम भी किया जाता है। गहन तमस पर उजाले की जीत का पर्व ही दीपावली है। सही मायने में दीपावली में हमें अपने घरों को माटी के दीपों से उज्जवल इत कर अपने व्यक्तित्व को ज्ञान के दीप से उद्दीप्त करना चाहिए। ऋषि मुनि ऐसा कह गए हैं कि शरीर को एक दिन इसी माटी में मिल जाना है और व्यक्तित्व तथा मस्तिष्क के ज्ञान की जो अविरल धारा आपके जीवन में बहेगी वह अनवरत कई पीढ़ियों तक सुदीप्त होती रहेगी, मनुष्य का जीवन अत्यंत अनमोल है इसी तरह जीवन में प्रकाश भी चाहे वह दीपों से हो या ज्ञान से हो जीवन को प्रकाशमान करते रहना होगा। दीपावली

मूलतः प्रकाश का त्यौहार है। पौराणिक कथाओं के अनुसार धन, समृद्धि, विघ्न हरण एवं ऐश्वर्य के प्रतीक भगवान गणेश एवं माता लक्ष्मी की श्रद्धा पूर्वक पूजा करते हैं एवं दीपावली के एक दिन पूर्व ध ानत्रयोदशी या धनतेरस अति शुभ माना जाता है। इस दिन लोग स्वर्ण अथवा रजत के आभूषण खरीदना अत्यंत शुभ लक्षण मानते हैं। इसके पीछे भी एक पौराणिक कथा है माना जाता है कि समुद्र मंथन के पश्चात लक्ष्मी जी की इसी दिन से उत्पत्ति हुई थी, इसीलिए इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा धूमधाम से की जाती है। समुद्र मंथन से ही धनवंतरी जिन्हें औषधि विज्ञान का अविष्कारक माना जाता है की उत्पत्ति कार्तिक मास की त्रयोदशी मुहूर्त में हुई थी, इसीलिए धनवंतरी के नाम पर धनतेरस पर्व रखा गया है। पश्चिम बंगाल के लोग दीपावली को काली पूजा के रूप में मानते हैं वहां बड़े–बड़े एवं भव्य पंडालों के भीतर मां काली की प्रतिमा स्थापित की जाती है काली की पूजा के बाद वहां लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। सही मायने में दीपावली का अपना धार्मिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व है। किंतु दीपावली के इस परंपरागत पवित्र त्यौहार में कुछ लोग अपने ऐश्वर्या का प्रदर्शन करने के लिए हजारों, लाखों रुपए के पटाखे छोड़कर वायु को प्रदूषित करते हैं, जो वायुमंडल के लिए अत्यंत खतरनाक होती है। इस त्यौहार की सबसे बड़ी कमी इस बात की होती है कि लोग इस दिन जुआ खेलते हैं जो एक सामाजिक बुराई भी है। दीपावली का त्यौहार अंधकार पर प्रकाश की विजय के अपने संदेश को सार्थक करता नजर आता है। आज हमें अपनी व्यक्तित्व से और सामाजिक से बुराइयों को दूर कर अच्छाइयों को साथ लेकर चलने से यह दीपोत्सव का पर्व सचमुच सार्थक हो जाएगा। दीपावली की पुनः शुभकामनाएं।

जानिए किन-किन अभिनेत्रियों ने बोटोक्स, लिपोसक्शन और प्लास्टिक सर्जरी करवाई है!

बॉलीवुड के कई सितारे अपनी खूबसूरती को बनाए रखने और उम्र को छिपाने के लिए बोटोक्स, लिपोसक्शन और प्लास्टिक सर्जरी जैसी प्रक्रियाओं का सहारा लेते हैं। यह एक सामान्य ट्रेंड बन चुका है, जिसमें कई जानी–मानी हस्तियां शामिल हैं। इन सर्जिकल प्रक्रियाओं का उपयोग करना अब आम बात हो गई है। आजकल, फिल्म इंडस्ट्री में अपनी छवि को बनाए रखना बहुत जरूरी है। इसलिए कई सितारे अपनी सुंदरता को बेहतर बनाने के लिए इन तकनीकों का सहारा लेते हैं। कुछ कलाकार तो इस बारे में खुलकर बात करते हैं, जबकि कई अपनी प्रक्रियाओं को छिपाना पसंद करते हैं। बोटोक्स का इस्तेमाल करने से झुर्रियां कम होती हैं, जबकि लिपोसक्शन के जरिए शरीर की नदूंदजमक चर्बी को कम किया जा सकता है। चलिए, आपको कुछ मशहूर अभिनेत्रियों के बारे में बताते हैं जो बोटोक्स, लिपोसक्शन और प्लास्टिक सर्जरी का उपयोग करती हैं।

शिल्पा शेट्टी

शिल्पा शेट्टी बॉलीवुड की एक प्रमुख अभिनेत्री हैं, उन्होंने अपनी खूबसूरती और फिटनेस से लोगों का ध्यान खींचा है। हालांकि, उनकी खूबसूरती को लेकर कई बार चर्चा होती रही है, जिसमें प्लास्टिक सर्जरी का विषय भी शामिल है। शिल्पा शेट्टी ने बोटोक्स का सहारे लेकर चेहरे की झुर्रियों से छुटकारा पाया। जिद्दी चर्बी से छुटकारा पाने के लिए लिपोसक्शन और भरा हुआ लुक पाने के लिए स्तन वृद्धि भी करवाई। शिल्पा ने अपनी नाक के आकार को निखारने के लिए नाक की सर्जरी भी करवाई थी।

अनुष्का शर्मा

अनुष्का शर्मा बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने अपने चेहरे की खूबसूरती को निखारने के लिए लिप फिलर और बोटॉक्स करवाने की बात स्वीकारी है। अनुष्का अपने जवां रूप को बरकरार रखने के लिए बोटॉक्स के इंजेक्शन भी लगवाए हैं। चेहरे पर झुर्रियों और महीन रेखाओं से छुटकारा पाने के लिए बोटॉक्स का उपयोग भी किया है।

प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा एक ॅवतसक पबवद हैं। उन्होंने नाक की सर्जरी और होंठों में फिलर करवाने की बात को स्वीकारा है। प्रियंका चोपड़ा ने नाक की सर्जरी से साइज को निखारा और उन्हें और भी Attractive बना दिया। उन्होने लिप फिलर्स भी करवाएं है।

श्रीदेवी

श्रीदेवी बॉलीवुड की सबसे जानी–मानी हस्तियां में शामिल हैं और उनकी खूबसूरती के चर्चे तो आज भी हैं। उन्होंने कई कॉस्मेटिक प्रक्रियाएं करवाई थीं, जिसमें नाक की सर्जरी और फेसलिफ्ट शामिल थी। उनकी नाक की सर्जरी ने उनकी नाक के आकार को निखारा, जबकि फेसलिफ्ट ने उन्हें और अधिक जवां रूप दिया। श्रीदेवी ने अपने चेहरे की झुर्रियों और महीन रेखाओं से छुटकारा पाने के लिए बोटॉक्स का इस्तेमाल भी किया था।

करीना कपूर खान

करीना कपूर खान सबकी मनपसंद ।बजतमे है और खूबसूरती में करीना का कोई जवाब नहीं हैं। बेबो ने अपने लुक को बनाए रखने के लिए बोटॉक्स इंजेक्शन का भी इस्तेमाल किया है। करीना कपूर खान ने अपने चेहरे पर झुर्रियों और महीन रेखाओं से छुटकारा पाने के लिए बोटॉक्स का उपयोग भी किया है।

> “
> आजकल, फिल्म इंडस्ट्री में अपनी छवि को बनाए रखना बहुत जरूरी है। इसलिए कई सितारे अपनी सुंदरता को बेहतर बनाने के लिए इन तकनीकों का सहारा लेते हैं। कुछ कलाकार तो इस बारे में खुलकर बात करते हैं, जबकि कई अपनी प्रक्रियाओं को छिपाना पसंद करते हैं।

ऐश्वर्या राय बच्चन

ऐश्वर्या राय बच्चन की सुंदरता के चर्चे तो बॉलीवुड में होते ही रहते हैं पर ऐश्वर्या ने नाक की सर्जरी करवाई है और होंठों में फिलर भी करवाया है, जिससे वह और भी खूबसूरत और युवा दिख सके।

कैटरीना कैफ

कैटरीना कैफ का जलवा तो बॉलीवुड में शुरू से ही रहा है। हालंकि कैटरीना की छंजनतंस इमंनजल बहुत है पर वह भी सर्जरी करवाने से पीछे नहीं रही। कटरीना से लिप फिलर्स और ब्रेस्ट इंप्लांट करवाया है।

नोरा फतेही

नोरा फतेही अपने डांस और ग्लैमरस से सबका दिल लूट चुकी है। नोरा ने भी ब्रेस्ट और हिप्स की सर्जरी करवाई है और बोटॉक्स इंजेक्शन का भी इस्तेमाल किया है। इस ट्रेंड का एक कारण यह भी है कि दर्शक अक्सर युवा और ताजा दिखने वाले सितारों को पसंद करते हैं। इसके चलते, यह दबाव बढ़ जाता है कि सितारे हमेशा आकर्षक दिखें।

पंजाबी सिंगर दिलजीत ने दिल्ली में तिरंगा लहराकर किया फैंस का अभिवादन!

पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने अपने हालिया कॉन्सर्ट में एक बार फिर भारतीय फैंस का दिल जीत लिया। 26 अक्टूबर को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित क्पस–स्नउपदंजप ज्वनत के दौरान, उन्होंने भारतीय तिरंगे को गर्व के साथ लहराया और अपने देश के प्रति अपने प्रेम का इजहार किया। दिलजीत ने अपने टूर की शुरुआत दिल्ली में जोरदार तरीके से की। उनके पहले गाने के बाद, जब उन्होंने तिरंगा लहराया, तो दर्शकों में एक नई ऊर्जा भर गई। ब्लैक सूट पहने दिलजीत ने अपनी शानदार आवाज और परफॉर्मेंस से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। दर्शकों की भारी भीड़ ने इस इवेंट को एक यादगार अनुभव बना दिया। कॉन्सर्ट के दौरान दिलजीत ने लाइव ऑडियंस के साथ इंटरैक्ट करते हुए कहा, "ये मेरा देश, मेरा घर है!" इस भावुक पल ने क्राउड को झूमने पर मजबूर कर दिया। फैंस ने दिलजीत के प्रति अपनी भावनाओं का इजहार करते हुए जोरदार तालियों के साथ उनका स्वागत किया। उन्होंने अपने फैंस का धन्यवाद किया और कहा कि उनके संगीत के सफर में उनका साथ बहुत महत्वपूर्ण रहा है।हालांकि, शो की शुरुआत समय पर नहीं हो पाई, जिससे कुछ फैंस निराश हुए। उमस भरे मौसम में कई फैंस ने घंटों तक स्टेडियम के बाहर इंतजार किया, लेकिन जब रात करीब 8 बजे शो की शुरुआत हुई, तो दिलजीत ने अपनी जोरदार एंट्री से सभी का दिल जीत लिया। कई फैंस ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की और लाइव परफॉर्मेंस के अनुभव साझा किए। दिलजीत दोसांझ ने इससे पहले यूरोप और उत्तरी अमेरिका में अपने फैंस को मंत्रमुग्ध किया था, और अब उन्होंने इस जादू को भारत में लाने का फैसला किया है। उनके टूर का दूसरा शो 27 अक्टूबर को दिल्ली में ही आयोजित किया जाएगा। इसके बाद, टूर हैदराबाद, अहमदाबाद, लखनऊ, पुणे, कोलकाता, बंगलौर, इंदौर, चंडीगढ़ और गुवाहाटी की ओर बढ़ेगा। दिलजीत के इस कॉन्सर्ट ने न केवल संगीत प्रेमियों को खुश किया, बल्कि देशभक्ति की भावना को भी जागृत किया। उनकी परफॉर्मेंस ने दर्शकों के दिलों में एक अलग ही उत्साह भर दिया, जो लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

दिवाली 2024: आलिया और प्रियंका के लहंगे से पाएं ग्लैमरस लुक!

दिवाली का त्योहार नजदीक है, और इस खास मौके पर हर किसी की चाहत होती है कि वे सबसे खूबसूरत दिखें। अगर आप भी दिवाली पार्टी के लिए लहंगा पहनने का मन बना रही हैं, तो बॉलीवुड की कुछ प्रमुख हसीनाओं के लहंगा लुक्स आपके लिए बेहतरीन प्रेरणा बन सकते हैं। आइए, जानते हैं इन स्टार्स के लहंगा लुक्स के बारे में।

आलिया भट्ट

आलिया का पिंक लहंगा आपके दिवाली लुक के लिए एकदम सही चॉइस है। यह लहंगा आपको एक ग्लैमरस और एलीगेंट लुक देगा। इसके साथ, आप सिंपल हेयर स्टाइल कैरी कर सकती हैं और कानों में झुमके तथा हाथों में बैंगल्स पहनकर इस लुक को कंप्लीट कर सकती हैं।

प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका का फ्लोरल लहंगा भी दिवाली पार्टी के लिए बेहतरीन है। इसे ओपन हेयर के साथ पहनें, और गले में चोकर नेकलेस तथा हाथों में बैंगल्स डालकर इस लुक को पूरा करें। सिंपल इयररिंग्स इस लुक को और भी खूबसूरत बना देंगे।

अनन्या पांडे

अनन्या का ग्रीन लहंगा लुक बेहद क्लासी है। अगर आप

इस लुक को रिक्रिएट करेंगी, तो निश्चित रूप से सभी की तारीफें आपकी झोली में आएंगी। इसे ओपन हेयर और मांग टीका के साथ पहनें, और ज्वेलरी के बिना भी आप बेहद ग्लैमरस लगेंगी।

खुशी कपूर

अगर आप कुछ नया और अलग चाहती हैं, तो खुशी कपूर का लहंगा आपके लिए परफेक्ट है। इसे ओपन हेयर के साथ कैरी करें, और कानों में हल्के झुमके पहनकर इस लुक को पूरा करें। यह लहंगा आपकी दिवाली पार्टी में चार चांद लगा देगा।

अनुष्का शर्मा

अनुष्का का मल्टी कलर लहंगा भी दिवाली के लिए एक शानदार चॉइस है। इसे आप पार्टी और पूजा दोनों के लिए पहन सकती हैं। गले में चोकर नेकलेस, हाथों में बंगल्स, और कानों में झुमके पहनकर इस लुक को कंप्लीट करें। हेयर स्टाइल की बात करें तो आप इस लुक पर पोनीटेल बना सकती हैं। दिवाली पर सही लहंगा पहनने से न केवल आपका लुक खूबसूरत बनेगा, बल्कि आप इस त्योहार के माहौल में भी रम जाएंगी। आलिया, प्रियंका, अनन्या, खुशी, और अनुष्का के इन लुक्स से प्रेरणा लेकर आप भी अपनी दिवाली को खास बना सकती हैं। तो तैयार हो जाइए अपनी पसंद के लहंगे के साथ इस दिवाली पर चार चांद लगाने के लिए!

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के घर आने पर लिया आशीर्वाद

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और उनके पति, आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा के लिए शनिवार की सुबह शानदार रही। दोनों ने इंस्टाग्राम पर स्वामी शंकराचार्य श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के उनके घर आने की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। परिणीति ने इस यात्रा के बारे में 'धन्य' महसूस करने के बारे में भी लिखा। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद शनिवार सुबह दिल्ली में परिणीति और राघव के घर गए। राघव ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें परिवार उनका आरती के साथ घर में स्वागत कर रहा है। परिणीति ने स्वामी से आशीर्वाद मांगते हुए उनकी तस्वीरें पोस्ट कीं और लिखा कि उनका निमंत्रण स्वीकार करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। एक्ट्रेस ने लिखा, "आज सुबह /राघवचड्ढा88 और मैं ईश्वरीय कृपा से विशेष रूप से धन्य महसूस कर रहे हैं; शंकराचार्य श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी ने हमारे साधारण घर की शोभा बढ़ाई। उनके लिए हमारा निमंत्रण स्वीकार करना एक दैवीय विशेषाधिकार है; जिसकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी। परिणीति ने कहा कि वे उनके निरंतर आशीर्वाद के लिए प्रार्थना करते हैं, उन्होंने लिखा, "उनकी दिव्यता ने हमें आध्यात्मिकता के सच्चे सार और सनातन धर्म की शाश्वत शिक्षाओं के करीब ला दिया है। हम गहराई से आभारी और आभारी महसूस करते हैं कि उन्होंने आज हमें आशीर्वाद दिया। और हम अपने परिवार पर उनके निरंतर आशीर्वाद के लिए प्रार्थना करते हैं..रुधन्य रुजयश्रीराम।" राघव ने हिंदी में यह भी लिखा, "ओह, यह हमारे लिए कितना सौभाग्य है३ भगवान ने स्वयं मेरे घर पर कृपा की है। आज, परिणीति चोपड़ा और मैं भावनाओं से अभिभूत हैं; हमारे भाग्य के दरवाजे खुल गए हैं और हम सभी धन्य हैं। धर्म के ज्ञाता और सनातन संस्कृति के सर्वोच्च प्रतिनिधि पूज्य शंकराचार्य श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी ने आज हमारे निवास को अपनी उपस्थिति से शोभायमान किया है।" कई बार एक साथ देखे जाने के बाद परिणीति और राघव ने पिछले साल सितंबर में शादी कर ली। परिणीति ने अपनी पहली सालगिरह पर अपनी छुट्टियों की तस्वीरें पोस्ट कीं और उन्हें 'परफेक्ट जेंटलमैन' बताया। राघव के बारे में वह सब कुछ जो उसे पसंद है, सूचीबद्ध करते हुए उसने लिखा, "मैंने एक आदर्श सज्जन व्यक्ति, मेरे नासमझ दोस्त, संवेदनशील साथी, मेरे परिपक्व पति (भगवान का शुक्र है क्योंकि३ मैं!), एक सीधा ईमानदार इंसान, सबसे अच्छा बेटा, से शादी की है। जीजा और दामाद।

6 दिन बाद बेटी की तबीयत बिगड़ी, युविका-प्रिंस ने पोस्ट पर दी हेल्थ अप्डेट

हाल ही में, लोकप्रिय कपल युविका चौधरी और प्रिंस नरूला बेबी गर्ल के माता–पिता बने हैं। हालांकि, यह खुशखबरी कुछ ही दिनों में चिंता में बदल गई जब उनकी 6 दिन की बेटी को एक जानलेवा बीमारी का सामना करना पड़ा।

सी–सेक्शन से हुआ था जन्म

युविका ने अपनी बेटी को सी–सेक्शन के जरिए जन्म दिया था। अस्पताल से छुट्टी मिलने के कुछ समय बाद, युविका की बेटी की तबीयत अचानक खराब हो गई। युविका ने इस घटना की जानकारी एक व्लॉग के माध्यम से साझा की, जिसमें उन्होंने बताया कि वह अपनी बेटी के साथ अस्पताल में अकेली थीं और डॉक्टर उन्हें डिस्चार्ज करने वाले थे।

पीलिया का खुलासा

व्लॉग में युविका ने बताया, "डॉक्टर ने कुछ टेस्ट किए, जिनमें पता चला कि मेरी बेटी को पीलिया हो गया है।" पीलिया एक सामान्य स्थिति है जो नवजात शिशुओं में अक्सर होती है। युविका ने कहा कि इसमें चिंता की कोई बात नहीं है, लेकिन वह इस समय अपनी बेटी की देखभाल पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

आईवीएफ के जरिए हुई मातृत्व की प्राप्ति

यह भी ध्यान देने योग्य है कि युविका चौधरी आईवीएफ के जरिए मां बनी हैं। आईवीएफ प्रक्रिया कई महिलाओं के लिए एक विशेष अनुभव होती है, और युविका ने अपने सफर को लेकर सोशल मीडिया पर अपने फैंस को भी अपडेट रखा है। सी–सेक्शन डिलीवरी के बाद रिकवरी का समय थोड़ी लंबा हो सकता है, और युविका ने इस बात का उल्लेख किया कि वह दर्द में हैं लेकिन अपनी बेटी के स्वास्थ्य के लिए चिंतित हैं। मातृत्व की इस नई यात्रा में आने वाली चुनौतियां और जिम्मेदारियां हर मां के लिए अद्वितीय होती हैं। अब जब युविका और प्रिंस अपनी बेटी की सेहत को लेकर चिंतित हैं, तो यह देखना दिलचस्प होगा कि वे इस स्थिति से कैसे निपटते हैं।

मिलावटी मिठाईयों से बनाएं दूरी, घर पर बनाएं सूजी के टेस्टी गुलाब जामुन, सब करेंगे आपकी तारीफें

दिवाली के समय में बाजार में नकली मिठाईयां और खोया आपकी सेहत को खराब कर सकता है। अगर आप दिवाली पर कुछ हेल्दी और टेस्टी बनाना चाहते हैं तो ट्राई करें सूजी के गुलाब जामुन की ये रेसिपी। इस रेसिपी का स्वाद चखने के बाद सब यहीं कहेंगे और चाहिए।

दिवाली के त्योहार पर मिठाईयां घर पर लाना तो शुभ माना ही जाता है। त्योहार के आते ही बाजार में मिठाईयों की डिमांड बढ़ जाती है। फिर क्या मिलावट खोर अधिक मुनाफा कमाने के लिए मिठाईयों में कई चीजों का मिलावट करने लगते हैं। इन मिठाई के खाने से हेल्थ खराब हो सकती है। यदि आप इस दिवाली पर हेल्दी और टेस्टी चीज घर में बनाना चाहते हैं तो आप सूजी के गुलाब जामुन की ये रेसिपी ट्राई कर सकते हैं।

सूजी के गुलाब जामुन बनाने के लिए सामग्री

– 1 छोटा चम्मच घी
– 1 कप सूजी
– 1 1/2 कप दूध
– 1 कप चीनी
1 कप पानी

सूजी के गुलाब जामुन बनाने की रेसिपी

– सबसे पहले आप मीडियम आंच पर एक कड़ाही रखें। अब इस कड़ाही में घी गर्म कर लें फिर इसमें बारीक सूजी डालकर 5 मिनट तक चलाते रहे। जब सूजी अच्छी तरह से भून जाए तो इसमें एक कप दूध डालकर और आधा चम्मच चीनी डलकर अच्छे से मिलाएं।

– जब दूध सूखने लगे तो आधा कप और दूध डालें। ध्यान रखें कि सूजी की गुठलियां नहीं बनें। इसे आप तक पकाएं जब तक दूध पूरी तरह से सूख नहीं जाता।

– अब सूजी के आटे को आंच से उतारकर ठंडा कर लें। ठंडा होने के बाद सूजी के आटे को एक प्लेट पर निकालकर अच्छी तरह से गूंथ लें।

– आटा गूंथने से पहले हथेलियों पर थोड़ा–सा घी लगाकर उसके बाद ही आटे को 10 मिनट तक गूंथें।

– इसके बाद सॉफ्ट आटा लाने के बाद हथेलियों पर दोबारा घी लगाकर आटे की छोटी–छोटी लोइयां बना लें। अब कड़ाही में घी गर्म करके उसे धीमी आंच पर रखते हुए घी में एक–एक करके सभी सूजी की लोइयां डालकर फ्राई करें। गोल्डन ब्राउन रंग की हो जाएं तो घी से निकाल लें।

फिर दूसरे बर्तन में पानी और चीनी डालकर आंच पर रखें। जब शक्कर अच्छी तरह घुल जाए तब गैस को बंद कर दें।

– फिर आप तैयार किए हुए गुलाब जामुन को चाशनी में डाल दें। गैस से उतारकर गुलाब जामुन को 1–2 घंटे तक चाशनी में डूबे रहने दें। आपके टेस्टी सूजी के गुलाब जामुन तैयार हैं।

त्योहारों के सीजन में साड़ी–सूट के साथ बेस्ट लगेंगे ये ट्रेंडी हेयर स्टाइल, एक बार करें

त्योहारों के अलावा शादियों का सीजन भी शुरू हो गया है। कोई त्योहार हो या फिर घर–परिवार में शादी हो। हर मौके पर लड़कियां अच्छे से तैयार होती हैं। इस दौरान लड़कियां काफी सजती–संवरती हैं और इसके लिए वह कई दिन पहले से तैयारियां शुरूकर देती हैं। लड़कियां हमेशा ट्रेंड के हिसाब से ही अपना मेकअप और कपड़े चुनती हैं। वहीं ज्यादा समय न होने के बाद भी वह अच्छे से तैयार होती हैं। लेकिन मेकअप और आउटफिट पर इतना ध्यान देने के बाद लड़कियां बालों को साधारण ही छोड़ देती हैं। जिसके कारण उनका लुक कुछ अधूरा लगता है। ऐसे में अगर आप भी साड़ी और सूट में अपने लुक को निखारना चाहती हैं, तो आपको अपना हेयर स्टाइल भी कुछ खास बनाना चाहिए। इससे आपको बेहद प्यारा लुक मिलेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ सिंपल और ट्रेंडी हेयर स्टाइल के बारे में बताने जा रहे हैं। इन हेयर स्टाइल को आप त्योहारों और शादी आदि के फंक्शन में भी कैरी कर सकती हैं।

मेसी बन विद गजरा

एथनिक वियर करने के साथ आप मेसी बन विद गजरा हेयर स्टाइल बना सकती हैं। हालांकि मेसी बन के लिए आपको थोड़ा बिखरा हुआ जूड़ा बनाना है और फिर उस पर गजरा लगाना है। बिखरे–बिखरे बाल आपकी खूबसूरती को बढ़ाने का काम करेंगे।

स्लीक बन

आजकल साड़ी के साथ गर्ल्स स्लीक बन बनाना पसंद करती हैं। स्लीक बन आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करेगा। स्लीक बन बनाने के लिए आपको बालों को स्लीक स्टाइल में कैरी कर जूड़ा बनाना है।

क्लिप्स लगाएं

अगर आपको खुले बाल पसंद हैं, लेकिन आप पूरे बाल खुला नहीं रखना चाहती हैं, तो आप आगे से थोड़े बाल लेकर उन पर क्लिप्स लगा सकती हैं। इससे चेहरे पर बाल नहीं आएंगे। साथ ही आपको बार–बार बाल भी नहीं संभालना पड़ेगा।

सॉफ्ट कर्ल

अगर खुले बाल पसंद नहीं हैं, तो यह सबसे अच्छा ऑप्शन है। बालों को खुला रखके इन्हें सॉफ्ट कर्ल कर लें। क्योंकि सॉफ्ट कर्ल बाल देखने में ज्यादा खूबसूरत लगते हैं। आप साड़ी, सूट और लहंगा के साथ भी यह हेयर स्टाइल बना सकते हैं।

ब्रेड विद बन

बहुत लोगों को खुले बाल बिलकुल भी पसंद नहीं होते हैं। ऐसे में आप अपने बालों में ब्रेड बनाकर जूड़ा बनाएं। यह आपके लुक को क्लासी बनाएगा। हालांकि ब्रेड विद बन बनाते समय आपको सफाई का ध्यान रखना है। क्योंकि अगर बाल बिखरे होंगे तो आपकी हेयर स्टाइल खराब हो सकती है।

दिवाली के बाद कब है तुलसी विवाह? जानें सही डेट, शुभ मुहूर्त, पूजा विधि, महत्व और भोग

तुलसी विवाह, हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण त्योहार, दिवाली के बाद कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वादशी को मनाया जाएगा। इस साल यह त्योहार 12 नवंबर 2024 (मंगलवार) को मनाया जाएगा। आइए जानते हैं, तुलसी विवाह का महत्व, पूजा विधि और इसके साथ जुड़े अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में।

तुलसी विवाह का महत्व

पौराणिक कथा के अनुसार, दैत्यों के राजा जलंधर की पत्नी वृंदा एक पतिव्रता और विष्णु भक्त थीं। जलंधर के पतिव्रता धर्म के कारण उसे हराना मुश्किल था। भगवान विष्णु ने जलंधर का रूप धारण कर वृंदा के पतिव्रता धर्म को भंग किया, जिसके परिणामस्वरूप जलंधर भगवान शिव के हाथों मारा गया। इसके बाद, वृंदा ने भगवान विष्णु को पत्थर में परिवर्तित होने का शाप दिया, जिसे शालिग्राम कहा जाता है। वृंदा ने आत्मदाह किया और जहां आत्मदाह किया, वहां एक तुलसी का पौधा प्रकट हुआ। भगवान विष्णु ने कहा कि तुलसी का विवाह उनके शालिग्राम स्वरूप से होगा। इसलिए इस दिन भगवान विष्णु की पूजा में तुलसी के बिना पूजा अधूरी मानी जाती है।

तुलसी विवाह 2024: सही डेट और शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि इस साल 12 नवंबर, 2024 को शाम 4 बजकर 2 मिनट पर शुरू होगी और 13 नवंबर, 2024 को दोपहर 1 बजकर 1 मिनट पर समाप्त होगी। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, कार्तिक शुक्ल एकादशी युक्त द्वादशी तिथि के प्रदोष काल में तुलसी विवाह का आयोजन करना उत्तम माना जाता है। इस वर्ष, तुलसी विवाह 12 नवंबर को शाम 5रू29 बजे से लेकर शाम 7:53 बजे तक शुभ मुहूर्त में किया जाएगा।

तुलसी विवाह की पूजा विधि

पूजा की तैयारी एक चौकी पर आसन बिछाएं और तुलसी और शालिग्राम की मूर्ति स्थापित करें। चौकी के चारों ओर गन्ने और केले का मंडप सजाएं और कलश की स्थापना करें। पहले कलश और गौरी गणेश का पूजन करें। फिर माता तुलसी और भगवान शालिग्राम को धूप, दीप, वस्त्र, माला, और फूल चढ़ाएं।माता तुलसी को श्रृंगार के सभी सामान और लाल चुनरी चढ़ाएं। पूजा के बाद तुलसी मंगलाष्टक का पाठ करें। परिवार के लोग विवाह के गीत और मंगलगान गा सकते हैं। हाथ में आसन सहित शालिग्राम को लेकर तुलसी के सात फेरे लें। सातों फेरे पूरे होने के बाद भगवान विष्णु और तुलसी माता की आरती करें।

आरती के बाद सपरिवार भगवान विष्णु और तुलसी माता को प्रणाम करें और पूजा संपन्न होने के बाद प्रसाद बांटें। तुलसी विवाह का भोग और प्रसादतुलसी विवाह के अवसर पर भगवान विष्णु और माता तुलसी को विभिन्न भोग अर्पित किए जाते हैं, जैसेः

1. पंचामृत
2. केसरयुक्त चावल
3. खीर
4. पूरियां
5. मोतीचूर लड्डू
6. गुलाब जामुन

पंचामृत बनाने के लिए आधा कप दूध, आधा कप दही, 1 चम्मच शहद, 1 चम्मच शुद्ध शक्कर, 1 चम्मच घी और 5 तुलसी पत्तों को एक शुद्ध पात्र में डालकर अच्छे से फेंट लें। यह भोग भगवान को अर्पित करने के लिए तैयार है।तुलसी विवाह न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि यह भक्तों के लिए एक अवसर है कि वे भगवान विष्णु और माता तुलसी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करें। इस दिन किए गए अनुष्ठान और भोग से घर में सुख, समृद्धि और शांति की प्राप्ति होती है। इसलिए इस विशेष अवसर पर पूजा–पाठ करना और पारिवारिक मिलन मनाना बहुत ही महत्वपूर्ण होता है।

अगर आपकी आंखें ड्राई हैं तो हो जाएं सावधान, हो सकती है ये बीमारी!

क्या आपकी आंखें अक्सर सूखी और चिढ़ी हुई महसूस होती हैं? अगर हां, तो आपको सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि यह एक गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है। हाल ही में ब्रिटेन में किए गए शोध में खुलासा हुआ है कि ड्राई आंखें सिर्फ एक साधारण समस्या नहीं, बल्कि ब्रेन ट्यूमर का संकेत भी हो सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, यदि आप लगातार आंखों में सूखापन महसूस कर रहे हैं, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ब्रेन ट्यूमर के संभावित लक्षणों के साथ–साथ ड्राई आंखों की समस्या के बीच एक गंभीर संबंध है। इस वीडियो में हम आपको बताएंगे कि कैसे आंखों के सूखने का यह लक्षण गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की ओर इशारा कर सकता है और आपको क्या कदम उठाने चाहिए।

सर्दियों में बढ़ता है खतरा

सर्दियों के महीनों में, ठंडी हवा और हीटिंग सिस्टम के कारण ड्राई आंखों की समस्या और बढ़ जाती है। हालांकि, यह समस्या सालभर होती है, लेकिन सर्दियों में इसका प्रभाव अधिक गंभीर हो सकता है। आमतौर पर, ओवर–द–काउंटर आई ड्रॉप्स जैसे कृत्रिम आंसू राहत प्रदान कर सकते हैं, लेकिन अगर समस्या बनी रहती है, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

ब्रेन ट्यूमर के लक्षण

डॉ. स्टुअर्ट सैंडर्स, एक लंदन जनरल प्रैक्टिस के जीपी, का कहना है कि ड्राई आंखें ब्रेन ट्यूमर का संकेत हो सकती हैं। ट्यूमर का दबाव या पलक झपकने में समस्या होने पर आंखों में सूखापन महसूस हो सकता है। ब्रेन ट्यूमर के अन्य सामान्य लक्षणों में शामिल हैं।

1. आई मूवमेंट में बदलाव आंखों की गति में असामान्य बदलाव आना।
2. लगातार सिरदर्द जो सामान्य दर्द से भिन्न हो।
3. दृष्टि और गति परिवर्तनः देखने में धुंधलापन या तेजी से चीजों का हिलना।
4. ब्रेन ट्यूमर का आंकड़ा
5. ब्रिटेन में हर साल लगभग 12,300 लोगों में ब्रेन ट्यूमर के लक्षण सामने आते हैं। यह एक चिंताजनक संख्या है, जो इस समस्या की गंभीरता को दर्शाती है।

सूखी आंखों का कारण

ड्राई आंखों की समस्या आमतौर पर आंसुओं के स्राव में कमी के कारण होती है। स्जोग्रेन रोग, जो एक ऑटोइम्यून विकार है, के कारण शरीर में तरल पदार्थ बनाने वाली ग्रंथियों पर प्रभाव पड़ता है। यह आंखों और मुंह में सूखापन पैदा कर सकता है।

स्जोग्रेन रोग के लक्षण

अगर आपको निम्नलिखित लक्षण महसूस होते हैं, तो आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए

खासकर सुबह के समय। मुंह के पीछे और कान के सामने स्थित ग्रंथियों में सूजन। त्वचा का सूखना और खुजली। बिना किसी अन्य कारण के। लंबे समय तक थकान रहनारू ऊर्जा की कमी महसूस होना। अगर आपकी आंखें लगातार सूखी रहती हैं या आप अन्य लक्षणों का अनुभव कर रहे हैं, तो इसे हल्के में न लें। डॉक्टर से सलाह लें और आवश्यक जांच करवाएं। स्वस्थ जीवनशैली अपनाना, पर्याप्त पानी पीना और संतुलित आहार लेना भी आंखों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। ड्राई आंखें केवल एक साधारण समस्या नहीं हो सकती हैंय वे किसी गंभीर बीमारी का संकेत हो सकती हैं। अपनी आंखों की स्वास्थ्य का ध्यान रखें और समय–समय पर चेकअप कराते रहें। याद रखें, स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है।

कार्यालय कर विभाग जोन-4 अल्लापुर, नगर निगम, प्रयागराज

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा निम्नलिखित भवन संख्या के स्वामियों, क्रेतागणों, वारिसानों तथा अन्य सम्बन्धितों को सूचित किया जाता है कि निम्न भवनों के नाम की परिवर्तन की कार्यवाही कर विभाग क्षेत्रीय कार्यालय जोन-4 अल्लापुर में विचाराधीन है। सम्बन्धित पक्षों को धारा 213 की नोटिस जारी की जा चुकी है। आपत्तिकर्ता सम्पूर्ण प्रमाण पत्रों सहित विज्ञापन की तिथि से 15 दिनों के अन्दर क्षेत्रीय कार्यालय अल्लापुर में आपत्ति दाखिल कर दे, अन्यथा एक पक्षीय कार्यवाही पूर्ण कर दी जायेगी।

क्र.सं.	नम्बर मोहल्ला	भवन स्वामी का नाम	जिसके पक्ष में नाम परिवर्तन होना है	नामान्तरण का आधार
1	भवन संख्या-929/190ए, सोहबतिया बाग	श्री सूर्य नारायण तिवारी पुत्र स्व॰ रामहर्ष तिवारी	पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर श्रीमती रुचि तिवारी पत्नी श्री राजेश तिवारी व श्री विभव तिवारी पुत्र राजेश तिवारी उर्फ पप्पू व विराट तिवारी उर्फ बमबम पुत्र श्री राजेश तिवारी उर्फ पप्पू द्वारा संरक्षिका माता श्रीमती रुचि तिवारी का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत वसीयतनामा
2	भवन संख्या-111/40, मधवापुर	श्रीमती, छाया पाण्डेय पत्नी श्री शिव मूर्ति पाण्डेय,	पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती नील प्रभा पाण्डेय पत्नी श्री सूर्य नारायण पाण्डेय का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
3	भवन संख्या-105/25/ 40, टैगोर टाउन	श्री जवाहर लाल अग्रवाल पुत्र श्याम लाल अग्रवाल,	पंजीकृत दान-पत्र के आधार पर श्रीमती पूजा अग्रवाल पत्नी श्री सुमित त्रिपाठी पुत्री श्री जवाहर लाल अग्रवाल का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत दान-पत्र
4	भवन संख्या-43/27ए/1, हिमल्टन रोड	श्री सुनील सहगल पुत्र मनोहर लाल सहगल,	पंजीकृत दान-पत्र के आधार पर श्रीमती भारती सहगल पत्नी श्री सुनील सहगल का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत दान-पत्र
5	भवन संख्या-616ए/ 23/47, अल्लापुर	श्री सुदर्शन कुमार मल्होत्रा पुत्र स्व॰ आज्ञा राम मल्होत्रा व श्री दुर्गेश कुमार मल्होत्रा पुत्र श्री सुदर्शन कुमार मल्होत्रा,	दर्ज सहस्वामी श्री सुदर्शन कुमार मल्होत्रा पुत्र स्व॰ आज्ञा राम मल्होत्रा का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर वरासत के आधार पर शेष दर्ज नाम श्री दुर्गेश कुमार मल्होत्रा पुत्र स्व॰ सुदर्शन कुमार मल्होत्रा का नाम यथावत रहेगा।	वरासत
6	भवन संख्या-200/ 28सी/6, अल्लापुर	श्रीमती, दीपाली चक्रवर्ती पत्नी श्री सुशील कुमार चक्रवर्ती	वरासत के आधार पर श्री सुदीप चक्रवर्ती व श्री अंशुमान चक्रवर्ती पुत्रगण स्व॰ सुशील कुमार चक्रवर्ती का नाम दर्ज होगा।	वरासत
7	भवन संख्या-387/337, मधवापुर	श्रीमती, शारदा सिंह पत्नी स्व॰ विजय कुमार सिंह	पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्री विवेक कुमार श्रीवास्तव पुत्र स्व॰ श्री शिव प्रसाद श्रीवास्तव का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
8	भवन संख्या-167/2ए, आजाद स्क्वायर	श्रीमती, राजकुमारी साहू पत्नी श्री दशरथ लाल साहू	वरासत के आधार पर श्री सुनील कुमार साहू व श्री सुशील कुमार साहू पुत्रगण स्व॰ दशरथ लाल साहू का नाम दर्ज होगा।	वरासत
9	भवन संख्या-14/16/3, मलाकराज	श्री हरी लाल यादव पुत्र स्व॰ श्याम लाल यादव	वरासत के आधार पर श्रीमती शान्ती (शान्ति) पत्नी स्व॰ हरी लाल यादव का नाम दर्ज होगा।	वरासत
10	भवन संख्या-323/258, पुराना बैरहना	श्री मोतीलाल अवयस्क पुत्र श्री भैरो प्रसाद संरक्षक श्रीमती भगनानी (माता),	वरासत के आधार पर श्री सत्येन्द्र कुमार जायसवाल व श्री जितेन्द्र कुमार जायसवाल व श्री शैलेन्द्र कुमार जायसवाल पुत्रगण स्व॰ मोतीलाल का नाम दर्ज होगा।	वरासत
11	भवन संख्या-7/1, ई॰डब्लू॰एस॰, बाघम्बरी हाउसिंग स्कीम	श्री फूलचन्द्र दूबे पुत्र श्री भगवती प्रसाद दूबे	वरासत के आधार पर श्रीमती निर्मला दूबे पत्नी स्व॰ फूलचन्द्र दूबे व श्री दुर्गेश दूबे व श्री कमलेश दूबे व श्री रत्नेश दूबे पुत्रगण स्व॰ फूलचन्द्र दूबे का नाम दर्ज होगा।	वरासत
12	भवन संख्या-43डी, लिडिल रोड	श्रीमती, सुमन सिंह पत्नी श्री जवाहर लाल सिंह उर्फ जवाहर लाल शर्मा व श्री जवाहर लाल सिंह उर्फ जवाहर लाल शर्मा पुत्र स्व॰ उमाशंकर सिंह	पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती कुसुम कुमारी पत्नी शिव दर्शन लाल अग्रवाल व श्री शिव दर्शन लाल अग्रवाल पुत्र स्व॰ बनवारी लाल अग्रवाल का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
13	भवन संख्या-460/367, खलासी लाइन	श्रीमती, वन्दना वर्मा पत्नी श्री योगेश वर्मा व योगेश वर्मा पुत्र श्री पन्ना लाल अश्वान एडवोकेट,	पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती रेखा राधेश्याम तिवारी पत्नी श्री प्रवीण तिवारी का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
14	भवन संख्या-305ए, दारागंज	श्री राम सेवक उर्फ पलट पुत्र श्री किशोरी लाल (आकोपायर),	पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज नाम के साथ-साथ श्रीमती रीतू यादव पत्नी श्री संजय यादव का नाम दर्ज होगा तथा भवन का विभाजन भी होगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
15	भवन संख्या-95/25/30, टैगोर टाउन	श्रीमती, सत्या सिंह पत्नी स्व॰ जगदीश नरायन सिंह व विनय कुमार सिंह पुत्र स्व॰ जगदीश नरायन सिंह,	वरासत के आधार पर श्री प्रतीक सिंह पुत्र स्व॰ विनय कुमार सिंह का नाम दर्ज होगा।	वरासत
16	भवन संख्या-2/2/फ्लैट नं0-603/फ्लोर-6/ब्लाक-ए, अमरनाथ झा मार्ग (सिद्धेश्वरी अपार्टमेन्ट)	श्रीमती, ललिता शर्मा पत्नी श्री प्रकाश शर्मा	पंजीकृत दान-पत्र के आधार पर श्री संजय शर्मा व श्री धनंजय शर्मा पुत्रगण स्व॰ श्री प्रकाश शर्मा का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत दान-पत्र
17	भवन संख्या-322/41, बाई का बाग	श्रीमती, फूला यादव पत्नी अशोक कुमार यादव	पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्री अमित जायसवाल पुत्र श्री राम सजीवन व श्री राजीव जायसवाल पुत्र श्री राम सजीवन जायसवाल का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
18	भवन संख्या-18ए/60, लाउदर रोड	श्रीमती, कविता सिंह पत्नी श्री कृष्ण लाल सिंह	पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती उमा देवी पत्नी श्री संतोष गोस्वामी व श्रीमती शालिनी गोस्वामी पत्नी श्री अभय गोस्वामी पुत्री संतोष शर्मा का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
19	भवन संख्या-516/408/ 12सी, बक्शी खुर्द	श्री राकेश चन्द्र पुत्र स्व॰ सीताराम	पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती रेखा देवी पत्नी स्व॰ रामबाबू का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
20	भवन संख्या-727/ 95/135, पुरा दलेल	श्री बेनी माधो पुत्र श्री सूरज दीन कुशवाहा	वरासत के आधार पर श्री राजेश कुमार कुशवाहा पुत्र स्व॰ बेनी माधव का नाम दर्ज होगा।	वरासत
21	भवन संख्या-204/91/11, अलोपीबाग	श्रीमती, माला सक्सेना पत्नी श्री विश्व मोहन	पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती अंकिता गर्ग पत्नी श्री आशीष कुमार अग्रवाल का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
22	भवन संख्या-36/22/ फ्लैट नं0-108/ फ्लोर 01/ ब्लाक-ए, अमरनाथ झा मार्ग	श्री दीपक कुमार सिंह पुत्र श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह,	पंजीकृत दान-पत्र के आधार पर श्री सूरज कुमार सिंह पुत्र श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत दान-पत्र
23	भवन संख्या-76बी/1/ 95/2, पुरा वल्दी	श्रीमती, सुषमा जायसवाल पत्नी स्व॰ देवेन्द्र कुमार जायसवाल	पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती सरिता यादव पत्नी श्री विभव बहादुर सिंह का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
24	भवन संख्या-840/1ए/3, बाघम्बरी गद्दी	श्री राजपति सिंह पुत्र श्री राम सकल सिंह	वरासत के आधार पर श्री सच्चिदानन्द सिंह पुत्र स्व॰ राजपति सिंह का नाम दर्ज होगा।	वरासत
25	भवन संख्या-201/233, खलासी लाईन	श्री वाजिद खाँ पुत्र स्व॰ अब्दुल गनी	पंजीकृत दान-पत्र के आधार पर दर्ज नाम के साथ-साथ श्रीमती नरगिस पत्नी श्री अब्दुल नसीम पुत्री स्व॰ अब्दुल गनी का नाम दर्ज होगा तथा भवन का विभाजन भी होगा।	पंजीकृत दान-पत्र
26	भवन संख्या-258सी/4, सोहबतिया बाग	श्रीमती, नन्दगती देवी पत्नी श्री आर॰ जे॰ मिश्रा	वरासत के आधार पर श्रीमती गीता मिश्रा पत्नी श्री विजय प्रकाश व श्रीमती साधना मिश्रा पुत्रीगण स्व॰ राम जनम मिश्रा का नाम दर्ज होगा तथा भवन का विभाजन भी होगा।	वरासत
27	भवन संख्या-528/2/23, अल्लापुर	श्री पूर्णेन्दु शेखर मुखर्जी पुत्र स्व॰ के॰ वी॰ मुखर्जी	पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्री अरुण कुमार पुत्र श्री गोपाल प्रसाद व श्रीमती अंजुला गुप्ता पत्नी श्री अरुण कुमार व श्री रोहित कुमार पुत्र श्री हरिशचन्द्र केसरवानी व श्रीमती पूजा ठाकुर पत्नी श्री रोहित कुमार का नाम दर्ज होगा	पंजीकृत विक्रय पत्र
28	भवन संख्या-445/ 254एफ, बाघम्बरी गृह आवास योजना	श्री संजय गोविल व श्री अजय गोविल पुत्रगण स्व॰ लक्ष्मी नारायण गोविल,	पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्री विवेक कुमार सिंह पुत्र श्री बब्बन सिंह का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
29	भवन संख्या-900/17एन /1, बाघम्बरी गद्दी	श्री राम औतार सिंह पुत्र स्व॰ रघुनाथ सिंह	पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर श्री विक्रम सिंह पुत्र स्व॰ राम औतार सिंह का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत वसीयतनामा
30	भवन संख्या-25ए/एस॰ एफ॰-02/17ए/1, टैगोर टाउन			
31	भवन संख्या-1482/23/ 47/25/3, अल्लापुर	श्रीमती, शीला श्रीवास्तव पत्नी स्व॰ रवि प्रकाश श्रीवास्तव व श्री अवनीश कुमार श्रीवास्तव व डॉ॰ रजनीश कुमार पुत्रगण स्व॰ रवि प्रकाश श्रीवास्तव	पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर स्वाती सिंह पुत्री श्री बी॰ के॰ सिंह का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
32	भवन संख्या-18एल, बाघम्बरी गद्दी	श्रीमती, इन्दू देवी पत्नी श्री राम	पंजीकृत दान-पत्र के आधार पर दर्ज नाम के साथ-साथ इशिका श्रृंगार पुत्री स्व॰ राम श्रृंगार का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत दान-पत्र
33	भवन संख्या-624/ 426ए/4डी, बक्शी खुर्द	श्रीमती, शान्ती देवी पत्नी श्री रामनाथ यादव व श्री सुरेश यादव व श्री बृजेश यादव व श्री दिनेश यादव पुत्रगण स्व॰ रामनाथ यादव	दर्ज सहस्वामी श्री दिनेश यादव पुत्र स्व॰ रामनाथ यादव का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्री मुकेश कुमार सिंह पुत्र श्री हवलदार सिंह व श्री राजेश तिवारी पुत्र श्री रवीन्द्र नाथ तिवारी का नाम दर्ज होगा तथा शेषनाम यथावत दर्ज रहेगा तथा भवन का विभाजन भी होगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
34	भवन संख्या-178/91ए, बाघम्बरी गृह योजना आवास	श्री रमेश चन्द्र मिश्रा पुत्र श्री गिरीश चन्द्र मिश्रा	वरासत के आधार पर श्री संजय कुमार मिश्रा व श्री संदीप कुमार मिश्रा पुत्रगण स्व॰ रमेश चन्द्र मिश्रा का नाम दर्ज होगा।	वरासत
35	भवन संख्या-1249/ 23/47/82जी, अल्लापुर	श्री बाल कृष्ण ओझा पुत्र स्व॰ श्याम बिहारी ओझा व अनिल कुमार ओझा व श्री रत्नेश कुमार ओझा व देवेन्द्र कुमार ओझा पुत्रगण श्री बाल कृष्ण ओझा	दर्ज सहस्वामी श्री बाल कृष्ण ओझा पुत्र स्व॰ श्याम बिहारी ओझा व अनिल कुमार ओझा व श्री रत्नेश कुमार ओझा पुत्रगण श्री बाल कृष्ण ओझा का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर मा॰ न्यायालय के आदेश व पंजीकृत दान-पत्र के आधार पर शेष दर्जनाम श्री देवेन्द्र कुमार ओझा पुत्र श्री बाल कृष्ण ओझा का नाम यथावत रहेगा।	मा॰ न्यायालय व पंजीकृत दान-पत्र
36	भवन संख्या-354/187, बाघम्बरी हाउसिंग स्कीम	श्री जयराम पुत्र श्री रामनाथ	वरासत के आधार पर श्री शेखर शरण व श्री राजीव रंजन व श्री राजेश रंजन पुत्रगण स्व॰ जयराम व श्रीमती सविता शरण पुत्री स्व॰ जयराम का नाम दर्ज होगा।	वरासत
37	भवन संख्या-41बी, टैगोर टाउन	श्रीमती, सरोज श्रीवास्तव पत्नी स्व॰ जगदीश शरण श्रीवास्तव व श्री मनोज श्रीवास्तव व श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव पुत्रगण स्व॰ जगदीश शरण श्रीवास्तव	दर्ज सहस्वामिनी श्रीमती सरोज श्रीवास्तव पत्नी स्व॰ जगदीश शरण श्रीवास्तव का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर वरासत के आधार पर दर्ज नाम श्री मनोज श्रीवास्तव व श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव पुत्रगण स्व॰ जगदीश शरण श्रीवास्तव का नाम यथावत दर्ज रहेगा।	वरासत
38	भवन संख्या-360/292,बैरहना	श्री सरजू लाल प्रजापति पुत्र स्व॰ राम चरन	वरासत के आधार पर श्री अजय कुमार प्रजापति पुत्र स्व॰ सरजू लाल प्रजापति का नाम दर्ज होगा।	वरासत
39	भवन संख्या-733/441 एफ, बक्शी खुर्द	श्री शेर बहादुर सिंह पुत्र श्री अम्बिका सिंह	पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्री विनय कुमार पटेल पुत्र राजपति पटेल व श्रीमती सविता पटेल पत्नी श्री विनय कुमार पटेल का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
40	भवन संख्या-78/97/1, मलाकराज	श्री त्रिभुवन सिंह पुत्र श्री बेनी बहादुर सिंह, श्रीमती प्रेमा सिंह पत्नी त्रिभुवन सिंह	दर्ज सहस्वामी श्री त्रिभुवन सिंह पुत्र श्री बेनी बहादुर सिंह का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर पंजीकृत दान-पत्र के आधार पर श्री अजीत प्रताप सिंह पुत्र श्री त्रिभुवन सिंह का नाम दर्ज होगा तथा शेषनाम यथावत दर्ज रहेगा तथा भवन का विभाजन भी होगा।	पंजीकृत दान-पत्र
41	भवन संख्या-126/4.	श्री पियूष कुमार राय व श्री प्रफुल्ल चन्द्र राय पुत्रगण स्व॰ प्रद्युम राय,	दर्ज सहस्वामी श्री पियूष कुमार राय पुत्र स्व॰ प्रद्युम राय का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर पंजीकृत दान-पत्र के आधार पर श्रीमती अर्चना राय पत्नी श्री पियूष राय का नाम दर्ज होगा तथा शेषनाम यथावत दर्ज रहेगा तथा भवन का विभाजन भी होगा।	पंजीकृत दान-पत्र
42	भवन संख्या-119सी/257, बाई का बाग	श्री सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल पुत्र श्री राधा शरण अग्रवाल	पंजीकृत वसीयत के आधार पर श्री मनीष अग्रवाल पुत्र स्व॰ सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल व श्रीमती ममता मैतिन पत्नी अजय मैतिन व श्रीमती मंजुल अग्रवाल पत्नी डा॰ प्रदीप अग्रवाल पुत्रीगण स्व॰ सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत वसीयत
43	भवन संख्या-96ए/6, ओल्ड लश्कर लाइन	श्रीमती, मैना देवी पत्नी श्री जैन कुमार व श्रीमती अनूपा देवी पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार,	दर्ज सहस्वामिनी श्रीमती मैना देवी पत्नी श्री जैन कुमार का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर पंजीकृत वसीयत के आधार पर श्री प्रांजल जैन व श्री पलक्ष जैन पुत्रगण श्री सुरेन्द्र कुमार जैन का नाम दर्ज होगा तथा शेषनाम यथावत दर्ज रहेगा।	पंजीकृत वसीयत
44	भवन संख्या-84एफ / 11/3एफ, पुरा दलेल	श्री सदाशिव गुप्ता पुत्र स्व॰ छेदी लाल गुप्ता,	पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर पूजा पाण्डेय पुत्री श्री सूरज मणी पाण्डेय का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
45	भवन संख्या-223/87ए, टैगोर टाउन	श्रीमती, किरन यादव पत्नी श्री सुरेश चन्द्र यादव व सुरेश चन्द्र यादव पुत्र धनराज यादव	पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती प्रियंका सिंह पुत्री श्री राजकुमार सिंह पत्नी सुनील कुमार सिंह व श्री सुनील कुमार सिंह पुत्र श्री विधि नारायण सिंह का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
46	भवन संख्या-81/5के, बाघम्बरी गद्दी	श्री नवल सिंह व मान सिंह पुत्रगण श्री पृथ्वी सिंह	दर्ज सहस्वामी श्री नवल सिंह पुत्र श्री पृथ्वी सिंह का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर वरासत के आधार पर श्री धीरेन्द्र सिंह व श्री जीतेन्द्र सिंह पुत्रगण स्व॰ नवल सिंह का नाम दर्ज होगा तथा शेषनाम यथावत दर्ज रहेगा।	वरासत
47	भवन संख्या-14/10, सर पी॰सी॰ बनर्जी रोड	श्रीमती, संतोष निरुल्ला पत्नी स्व॰ त्रिलोकी नाथ निरुल्ला	दर्ज नाम के साथ-साथ पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्री अमित खन्ना पुत्र श्री अमर नारायण खन्ना व श्रीमती मनीषा खन्ना पत्नी श्री अमित खन्ना का नाम दर्ज होगा तथा भवन का विभाजन भी होगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
48	भवन संख्या-233/ 181ए/2, बक्शी कला	श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री दान बहादुर सिंह	पंजीकृत दान-पत्र के आधार पर दर्ज नाम के साथ-साथ श्रीमती अनामिका सिंह पुत्री श्री महेन्द्र सिंह पत्नी श्री सतजंय सिंह का नाम दर्ज होगा तथा भवन का विभाजन भी होगा।	पंजीकृत दान-पत्र
49	भवन संख्या-1690बी / 101, अल्लापुर	श्री द्वारिका प्रसाद पुत्र स्व॰ ननकू दास	पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर प्रगति रावत पुत्री स्व॰ लक्ष्मण कुमार रावत का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
50	भवन संख्या-167/331, बाघम्बरी हाउसिंग स्कीम	श्री शैलेन्द्र सिंह पुत्र स्व॰ जुगुल किशोर सिंह	वरासत के आधार पर श्रीमती पुष्पा देवी व श्री सुधांशु सिंह, श्री शुभांशु सिंह व श्री हिमांशु सिंह पत्नी व पुत्रगण स्व॰ शैलेन्द्र सिंह का नाम दर्ज होगा।	वरासत
51	भवन , संख्या-07/02ई/02 लाला राम नारायण लाल रोड	श्रीमती मीना देवी व श्रीमती बीना देवी पुत्रीगण स्व॰ रामनाथ उर्फ रामा यादव	दर्ज सहस्वामिनी श्रीमती बीना देवी पुत्री स्व॰ रामनाथ उर्फ रामा यादव का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्री मनीष कुमार पुत्र श्री जंग बहादुर यादव का नाम दर्ज होगा तथा शेषनाम यथावत दर्ज रहेगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
52	भवन संख्या-280एच/1/ टी॰एफ॰-3, अल्लापुर	श्रीमती, आरती पाण्डेय पत्नी श्री अनिल कुमार पाण्डेय,	वरासत के आधार पर श्री अनिल कुमार पाण्डेय पुत्र स्व॰ राम पुजारी पाण्डेय का नाम दर्ज होगा।	वरासत
53	भवन संख्या-178/48, ओल्ड लश्कर लाइन	श्री केदारनाथ विश्वकर्मा पुत्र स्व॰ हीरा लाल	दर्ज नाम के साथ-साथ वरासत के आधार पर श्रीमती शान्ती देवी पत्नी स्व॰ राजेन्द्र प्रसाद विश्वकर्मा व श्रीमती नन्दनी व श्रीमती अंजली व श्रीमती वन्दना पुत्रीगण स्व॰ राजेन्द्र प्रसाद विश्वकर्मा का नाम दर्ज होगा।	वरासत
54	भवन संख्या-10/13, फतेहपुर बिछुआ	श्री प्रमोद कुमार व ओम प्रकाश पुत्रगण स्व॰ मंगल लाल	दर्ज सहस्वामिनी श्री प्रमोद कुमार पुत्र स्व॰ मंगल लाल का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर वरासत के आधार पर श्रीमती रीता पत्नी स्व॰ प्रमोद कुमार का नाम दर्ज होगा तथा शेषनाम यथावत दर्ज रहेगा।	वरासत
55	भवन संख्या-70/7ए, सी॰वाई॰ चिन्तामणि रोड	श्री कृष्णाकान्त मिश्रा पुत्र स्व॰ राज नारायण मिश्रा व श्रीमती कंचन मिश्रा पत्नी श्री श्रीप्रकाश मिश्रा	दर्ज सहस्वामी श्री कृष्णाकान्त मिश्रा पुत्र स्व॰ राज नारायण मिश्रा का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर पंजीकृत दान-पत्र के आधार पर श्री ईशान मिश्रा पुत्र श्री श्रीप्रकाश मिश्रा का नाम दर्ज होगा तथा शेषनाम यथावत दर्ज रहेगा।	पंजीकृत दान-पत्र
56	भवन संख्या-771, अल्लापुर	श्री प्रेम प्रकाश गुप्ता पुत्रगण स्व॰ अनन्त नारायण गुप्ता	पंजीकृत दान-पत्र के आधार पर श्रीमती रेखा केसरवानी पत्नी श्री प्रेम प्रकाश केसरवानी का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत दान-पत्र
57	भवन संख्या-36ए, लाउदर रोड	श्री रमेश चन्द्र अरोरा पुत्र स्व॰ दर्शन लाल अरोरा व श्रीमती श्वेता अरोरा पत्नी श्री रवी चावला व श्रीमती कविता धीमान पत्नी श्री पंकज कुमार धीमान पुत्रीगण श्री रमेश चन्द्र अरोरा,	दर्ज सहस्वामिनी श्रीमती श्वेता अरोरा पत्नी श्री रवी चावला व श्रीमती कविता धीमान पत्नी श्री पंकज कुमार धीमान पुत्रीगण श्री रमेश चन्द्र अरोरा का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर पंजीकृत दान-पत्र के आधार पर दर्ज नाम श्री रमेश चन्द्र अरोरा पुत्र स्व॰ दर्शन लाल अरोरा का नाम यथावत दर्ज रहेगा।	पंजीकृत दान-पत्र
58	भवन संख्या-175/127, आजाद स्क्वायर	श्री महादेव प्रसाद अग्रवाल पुत्र श्री जुगुल प्रसाद अग्रवाल, श्रीमती रमा देवी पत्नी श्री महादेव प्रसाद अग्रवाल व श्रीमती अग्रवाल पत्नी श्री रमेश चन्द्र अग्रवाल व श्री रवी गोयल पुत्र श्री रमेश चन्द्र गोयल	दर्ज सहस्वामी श्री महादेव प्रसाद अग्रवाल पुत्र श्री जुगुल प्रसाद अग्रवाल, श्रीमती रमा देवी पत्नी श्री महादेव प्रसाद अग्रवाल का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्री रवि गोयल पुत्र श्री रमेश चन्द्र गोयल का नाम दर्ज होगा तथा शेषनाम यथावत दर्ज रहेगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र
59	भवन संख्या-13ए/ 8बी/2, हासिमपुर रोड	श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री बलवन्त सिंह व श्री परमजीत सिंह पुत्र सरदार बलवन्त सिंह,	पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्री विनय जायसवाल पुत्र स्व॰ गिरीश चन्द्र जायसवाल का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विक्रय पत्र

पत्रांक : 3268-सं0डी0/जा0सर्म0अधि0/2024
दिनांक : 26.10.2024

जोनल अधिकारी
जोन-04, अल्लापुर, नगर निगम, प्रयागराज

आसमान में होगा अब तुर्की का राज! दुनिया में मिलेट्री ड्रोन बनाने में वर्ल्ड लीडर बना, चीन-अमेरिका परेशान

संक्षिप्त

जापान के सत्तारूढ़ गठबंधन ने निचले सदन में बहुमत गंवाया, राजनीतिक अनिश्चितता की स्थिति

तोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के सत्तारूढ़ गठबंधन ने संसद के 465 सदस्यीय निचले सदन के चुनाव में बहुमत गंवा दिया। ये परिणाम सत्तारूढ़ पार्टी के व्यापक वित्तीय ''घोटालों'' पर मतदाताओं के आक्रोश को दर्शाते हैं। इशिबा की 'लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी' (एलडीपी) जापान की संसद में शीर्ष पार्टी बनी हुई है और सरकार में बदलाव की उम्मीद नहीं है लेकिन इन नतीजों से राजनीतिक अनिश्चितता पैदा होती है। इन नतीजों के कारण इशिबा के लिए अपनी पार्टी की नीतियों को संसद में पारित कराना मुश्किल हो जाएगा और उन्हें तीसरा गठबंधन सहयोगी तलाशना पड़

सकता है। एलडीपी गठबंधन का अपेक्षाकृत कम शक्तिशाली ऊपरी सदन में बहुमत बरकरार है। जापानी मीडिया के अनुसार, सत्तारूढ़ गठबंधन ने साझीदार 'कोमिटो' के साथ मिलकर 215 सीट हासिल कीं जबकि इससे पहले उसके पास 279 सीट थीं। यह 2009 में सत्ता से कुछ समय बाहर होने के बाद से गठबंधन का सबसे खराब चुनावी परिणाम है। जापान की द्विसदनीय संसद में निचला सदन बहुत ताकतवर है। इशिबा ने एक अक्टूबर को पदभार ग्रहण किया था। उन्होंने अपने पूर्ववर्ती फुमियो किशिदा द्वारा 'लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी' के कदमों के कारण जनता में उपजे आक्रोश को शांत करने में विफल रहने के बाद समर्थन जुटाने की उम्मीद में तुरंत चुनाव का आदेश दिया था। इशिबा ने रविवार देर रात जापान के राष्ट्रीय एनएचके टेलीविजन से कहा, ''हम नतीजों को बहुत गंभीरता से लेते हैं। मेरा मानना घ्है कि मतदाता हमसे कह रहे हैं कि हम और अधिक चिंतन करें और ऐसी पार्टी बनें जो उनकी उम्मीदों पर खरी उतरे।'' इशिबा ने कहा कि एलडीपी अब भी सत्तारूढ़ गठबंधन का नेतृत्व करेगी और प्रमुख नीतियां बनाएगी, एक योजनाबद्ध अनुपूरक बजट तैयार करेगी और राजनीतिक सुधार करेगी। उन्होंने संकेत दिया कि अगर जनता की उम्मीदों के मुताबिक विपक्षी समूहों के साथ सहयोग करना संभव हो तो उनकी पार्टी इसके लिए तैयार है।

हमने गाजा में दो दिन के संघर्ष विराम और चार बंधकों की रिहाई का प्रस्ताव रखा है : मिस्र राष्ट्रपति

रमत हशारोन (इजराइल)। मिस्र के राष्ट्रपति ने कहा है कि उनके देश ने इजराइल और हमास के बीच दो दिन के संघर्षविराम का प्रस्ताव रखा है और इस दौरान गाजा में बंधक बनाए गए चार लोगों को रिहा कर दिया जाएगा। राष्ट्रपति अब्देल-फतेह अल सीसी ने काहिरा में कहा कि प्रस्ताव में कुछ फलस्तीनी कैदियों की रिहाई और गाजा पट्टी में मानवीय सहायता पहुंचाना भी शामिल है। कतर और अमेरिका के साथ

मिस्र एक प्रमुख मध्यस्थ रहा है। यह पहली बार है जब मिस्र के राष्ट्रपति ने सार्वजनिक रूप से ऐसी योजना प्रस्तावित की है। हालांकि, इस प्रस्ताव पर इजराइल या हमास की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। अल-सिसी ने कहा कि प्रस्ताव का उद्देश्य स्थिति को बेहतर करने का मार्ग प्रशस्त करना है। उन्होंने कहा कि एक बार दो दिवसीय संघर्षविराम लागू हो जाने के बाद इसे स्थायी बनाने के लिए बातचीत जारी रहेगी। इस बीच, इजराइल की खुफिया एजेंसी 'मोसाद' के प्रमुख कतर के प्रधानमंत्री और सीआईए प्रमुख के साथ बातचीत के लिए रविवार को दोहा रवाना हुए।

पाकिस्तान में पोलियो के मामले बढ़ने के बाद एक और टीकाकरण अभियान शुरू

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में पोलियो के नये मामले सामने आने के बाद सरकार ने देशभर में सोमवार को नया टीकाकरण अभियान शुरू किया ताकि देश के 4.5 करोड़ बच्चों को पोलियो की गिरफ्त में आने से बचाया जा सके। पाकिस्तान में नियमित रूप से टीकाकरण अभियान संचालित किया जाता है लेकिन स्वास्थ्यकर्मियों और उन्हें सुरक्षा मुहैया कराने वाले पुलिसकर्मियों पर आतंकवादी हमले होते रहते हैं। उग्रवादी झूठा दावा करते हैं कि पश्चिमी साजिश के तहत नसंबदी कराने के लिए टीकाकरण अभियान चलाया जाता है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सलाहकार आयशा रजा फारूक ने बताया कि पोलियो के मामलों में वृद्धि हो जाने के कारण इस साल तीसरी बार टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है जो रविवार तक जारी रहेगा। उन्होंने एक बयान में कहा कि इस बार हम पोलियो से लड़ने के लिए और जोर-शोर से अभियान चला रहे हैं। फारूक ने बताया कि पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को घर-घर जा कर टीका लगाया जाएगा तथा उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए विटामिन ए की खुराक दी जाएगी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

तुर्की सशस्त्र ड्रोन के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक बन गया है और वे उन्हें बहुत तेज़ी से बना रहे हैं। तुर्की ने हथियारों के निर्यात का इतना बड़ा भंडार कैसे बनाया और सैन्य उद्योग के लिए इसका क्या मतलब है? तुर्की की रक्षा प्रौद्योगिकी और औद्योगिक आधार कुछ क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्तर पर पहुंच गया है। सामने आ रही परियोजनाओं की सफल प्रगति वायु शक्ति के क्षेत्र में एक नई वास्तविकता को दर्शाती है। बायकर द्वारा निर्मित बायरकटर टीबी-2, जिसे "फ्लाइंग कलाश्निकोव" भी कहा जाता है, ने सबसे अधिक सुर्खियाँ बटोरी हैं, लेकिन तुर्की का ड्रोन कार्यक्रम केवल इतना ही नहीं है। तुर्की ने उच्च-मूल्य वाली संपत्तियों की विस्तृत श्रृंखला को डिजाइन करने में एक प्रतिष्ठित बढ़त बनाई है। ड्रोन युद्ध क्षेत्र में, बायकर का मानव रहित लड़ाकू विमान किज़िलेल्मा और कंपनी का उच्च-स्तरीय हथियारों से लैस उच्च-ऊंचाई वाला ड्रोन, अकिंसी, साथ ही तुर्की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज का फ्लाइंग विंग, स्टेल्थी मानव रहित लड़ाकू विमान अंका-3 कुछ उदाहरणों के रूप में बड़े हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि अंका-3 और किज़िलेल्मा को मानवयुक्त विमानों के साथ-साथ वफादार विंगमैन अवधारणा के भीतर उड़ान भरने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो तकनीकी रूप से छठी पीढ़ी की सामरिक सैन्य विमानन सुविधा है, जो तुर्की रक्षा योजना के भविष्य के क्षितिज को दर्शाती है।

तुर्की में ड्रोन निर्माता कंपनी 300 मिलियन डॉलर का करेगी निवेश

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार तुर्की ड्रोन निर्माता बायकर उद्योग आपूर्ति श्रृंखला दबावों के बीच अधिक घटक उत्पादन को घर में लाने के लिए संसाधनों को समर्पित कर रहा है, और जेट इंजन विकसित करने के लिए + 300 मिलियन का निवेश करेगा।तुर्की निर्मित बायकर ड्रोन ने यूक्रेन की सेना द्वारा रूसी सेना के खिलाफ और साथ ही अजरबैजान और उत्तरी अफ्रीका में अभियानों में इस्तेमाल किए जाने के बाद वैश्विक स्तर पर प्रमुखता हासिल की है। कंपनी दुनिया भर में सबसे अधिक ड्रोन निर्यातकों में से एक बन गई है, जिसके हल्के टीबी2 और भारी अकिंसी ड्रोन 35 देशों को बेचे गए हैं। बायकर वर्तमान में यथासंभव अधिक से अधिक घटकों का उत्पादन इन-हाउस लाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, सीईओ हालुक बायरकटर ने बुधवार को इस्तांबुल में ।ϐ। रक्षा प्रदर्शनी के दौरान एक साक्षात्कार में कहा, तुर्की के एयरोस्पेस निर्माता ज्ै। पर घातक हमले से कुछ समय पहले। ष्पूरी दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला निरंतरता एक प्रमुख मुद्दा है, इसलिए हम इन-हाउस विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। लापता हिस्सा इंजन है और अब हम अपनी खुद की विकास परियोजना शुरू कर रहे हैं।

भू-राजनीतिक टकराव आगे रक्षा अर्थशास्त्र के दृष्टिकोण से

तुर्की की गंभीर वायु शक्ति परियोजनाएँ, जैसे कि उच्च-स्तरीय ड्रोन और उन्नत मानवयुक्त विमान, पश्चिमी देशों को अंतर्राष्ट्रीय हथियार बाज़ार में अपने महाशक्ति प्रतिस्पर्धियों को संतुलित करने में भी मदद करेंगे। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार, 2018 और 2022 के बीच वैश्विक हथियार निर्यात में मास्को और बीजिंग का हिस्सा क्रमशः लगभग 16 प्रतिशत और 5.2 प्रतिशत था, हालाँकि यूक्रेन में उसके असफल आक्रमण के बाद पूर्व का हिस्सा कम हो गया। फिर भी चीन कई क्षेत्रों में नाटो सदस्यों की समग्र हथियार बाज़ार उपस्थिति के लिए वास्तविक

जोखिम बना हुआ है। प्रतिबंधों के कारण अमेरिकी समाधानों की लंबे समय से अनुपस्थिति के बीच चीन ने पहले ही मध्य पूर्वी ड्रोन बाज़ार को छीन लिया है। खाड़ी और हाल ही में मिस्र को तुर्की की ड्रोन बिक्री ने मानव रहित हवाई प्रणाली खंड में चीनी हिस्सेदारी से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण वापसी की पेशकश की।

चीन अमेरिका परेशान

दुनिया में जितने सैन्य ड्रोन बेचे गए, उनकी बिक्री में अकेले तुर्की की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत है, जिसमें चीन का योगदान 26 प्रतिशत है और अमेरिका केवल 8 प्रतिशत के साथ पीछे है। एक्सपर्ट का कहना है कि तुर्की ने अपने घरेलू रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया है, जिससे तुर्की सैन्य ड्रोन के मार्केट में अगुवा बन चुका है। आने वाले वर्षों में, मध्य पूर्वी मानवयुक्त विमान बाज़ार में चीन की संभावित उपस्थिति पर नज़र रखना सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक होगा। इस संबंध में कान कुछ मदद कर सकता है। इसलिए, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि, तुर्की प्रेस में प्रचलित अटकलों के विपरीत, काआन एफ-35 के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा नहीं करेगा। इसके बजाय, यह मानवयुक्त विमान खंड में एक वैकल्पिक, नाटो-ग्रेड समाधान पेश करेगा जिसे उन देशों को दिया जा सकता है जो एफ-35 नहीं खरीद सकते हैं। जबकि यह सीधे रूस और चीन के लड़ाकू विमानों के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा, कोरिया और फ्रांस दोनों इस प्रतियोगिता में शामिल होंगे। फिलहाल, मिलियन-डॉलर का सवाल यह है कि एफ-35 की अनुपस्थिति में खाड़ी मानवयुक्त विमान बाजार पर किसका दबदबा होगा।

दुनियाभर में बढ़ रही हैं तुर्की ड्रोन की मांग

तुर्की के हमलावर ड्रोन की डिमांड पूरी दुनिया में इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि तुर्की के ड्रोन सस्ते और तेजी से डिलीवर होते हैं। तुर्की के ड्रोन की मारक क्षमता अच्छी होती है। इन ड्रोन का इस्तेमाल यूक्रेन, लीबिया, इराक, सीरिया, अजरबेजान जैसे कई देशों में किया जा रहा है। यूक्रेन ने हाल ही में तुर्की की ड्रोन निर्माता कंपनी बायकर के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। हालाँकि समझौते का विवरण गुप्त रखा गया था, लेकिन यूक्रेन रूस के खिलाफ़ युद्ध में कंपनी द्वारा निर्मित बायकर ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है। तुर्की रक्षा आपूर्तिकर्ता एसेलसन, अजरबैजान को एसेलफिलर-500 इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल निगरानी और लक्ष्यीकरण प्रणाली के साथ-साथ टोलुन निर्देशित मिसाइलें भी प्रदान करेगा। दोनों प्रणालियाँ हाल ही में बाकू द्वारा खरीदे गए अकिंची लंबी दूरी के सशस्त्र ड्रोन के लिए हैं। बाकू में अजरबैजान रक्षा प्रदर्शनी में इन सौदों पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संयुक्त उत्पादन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण शामिल है। इसके अलावा तुर्की ने मालदीव को अपने प्रसिद्ध लड़ाकू ड्रोन, बायरकटर टीबी2 की आपूर्ति शुरू कर दी है, जबकि यह द्वीप राष्ट्र और भारत के बीच तनाव की स्थिति है। दोनों देशों के बीच हुए समझौते में मालदीव के सशस्त्र बलों की सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक कमांड कंट्रोल स्टेशन और छह टीबी2 मानव रहित लड़ाकू हवाई वाहनों (यूसीएवी) की आपूर्ति की बात कही गई है।

तुर्की की बढ़ती रक्षा क्षमता

अंकारा अपने घरेलू रक्षा औद्योगिक आधार में महत्वपूर्ण प्रगति की अपनी प्रवृत्ति को जारी रखते हुए अपने पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर, ज्ञ।।छ का निर्माण कर रहा है, जिसके 2020 के अंत में बड़े पैमाने पर उत्पादन में प्रवेश करने की उम्मीद है। यह मानव रहित लड़ाकू हवाई वाहनों (न्ब्।ट) जैसे कि बायरकटर ज्ठ-2, ज्ठ-3, अंका, अंका-3, किज़िलेल्मा लॉयल विंगमैन न्ब्।ट, और हवा से हवा, हवा से ज़मीन, ज़मीन पर हमला करने वाली बैलिस्टिक, क्रूज़ और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की एक विविध श्रृंखला के विकास के साथ एक महत्वपूर्ण ड्रोन शक्ति के रूप में भी उभरा है। इन्हें बायकर, एसेलसन, रोकेटसन और टुबिटक-सेज जैसी घरेलू रक्षा एयरोस्पेस कंपनियों द्वारा विकसित किया गया है। उदाहरण के लिए, विकासाधीन सिपर एसएएम प्लेटफ़ॉर्म को एस-400 के बराबर हथियार के रूप में बताया गया है। एसेलसन के सीईओ हालुक गोरगुन ने दावा किया था कि सिपर के चालू हो जाने के बाद तुर्की को एस-400 की "ज़रूरत नहीं रहेगी।" विश्व की तत्काल स्थिति को देखते हुए क्या प्लानिंग कर रहा है ताजा युद्ध के दौरान तुर्की-एक नाटो राष्ट्र जो बीस से अधिक सोवियत रेड आर्मी डिवीजनों का सामना कर रहा था-दशकों तक शुद्ध हथियार आयातक बना रहा। इस प्रकार, शायद देश का एक प्रमुख हथियार निर्यातक में परिवर्तन, विशेष रूप से ड्रोन युद्ध संपत्ति जैसी उन्नत तकनीकों में, इक्कीसवीं सदी में यूरो-अटलांटिक सुरक्षा मामलों में सबसे महत्वपूर्ण विकासों में से एक है। तुर्की मॉडल सफलताओं और सीमाओं के साथ आता है। तुर्की के शिपयार्ड अब प्रमुख सतह लड़ाकू, फ्रिगेट और कोरवेट डिजाइन करने में सक्षम हैं। हालाँकि, पनडुब्बी खंड में, विशेष रूप से हवाई-स्वतंत्र प्रणोदन प्रणालियों में, तुर्की को विदेशी सहयोग की आवश्यकता है। इसी तरह, तुर्की रक्षा उद्योग अधिकांश भूमि युद्ध समाधानों का उत्पादन कर सकता है, हालाँकि, राष्ट्रीय टैंक कार्यक्रम, अल्ताई, अभी भी सेना के शस्त्रागार में प्रवेश का इंतजार कर रहा है। हवाई प्रणाली खंड नौसेना और भूमि युद्ध खंडों की तुलना में अलग नहीं है। हवा में, तुर्की हवाई ड्रोन डिजाइन और उत्पादन कौशल अंतरराष्ट्रीय हथियार बाजार में सर्वश्रेष्ठ में से एक है। फिर भी, मानवयुक्त विमान खंड पिछड़ रहा है। उच्च-स्तरीय प्रणालियों के मामले में, चाहे मानवयुक्त हो या मानवरहित, इंजन विन्यास आने वाले वर्षों में परेशानी भरा बना रहेगा। तुर्की का गणित केवल एक तैयार हथियार आपूर्तिकर्ता बनने से कहीं आगे तक जाता है। अंकारा का लक्ष्य बाजार देशों में गहरे संबंध स्थापित करना है, साथ ही जब संभव हो तो उन देशों की क्षमताओं को तुर्की के क्ब्ठ में लाने का मार्ग प्रशस्त करना है, जैसा कि यूक्रेनी उद्योगों के मामले में है। ड्रोन अभी भी हवा में तुर्की की रक्षा पहुंच का नेतृत्व कर रहे हैं। कान का मार्ग, साथ ही मानवरहित लड़ाकू विमान/वफादार विंगमैन परियोजनाएं, किज़िलेल्मा और अंका-3, हवा में देश के रक्षा व्यवसाय के दृष्टिकोण के अंतिम प्रक्षेपवक्र को निर्धारित करेंगे।

रुक जाओ... इजरायल-ईरान की जंग में कूदा भारत, कर दिया बड़ा ऐलान

ईरान पर इजरायल के ताबड़तोड़ हमले के बाद पूरी दुनिया से इसे लेकर प्रतिक्रिया आ रही है। मीडिल ईस्ट में इस्लामिक देशों ने ईरान का समर्थन करने का ऐलान कर दिया है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका खुले तौर पर इजरायल का समर्थन कर रहा है और कह रहा है कि अगर ईरान ने इजरायल पर हमला किया तो अमेरिका उसके बचाव में आ जाएगा। इजरायल और अमेरिका मिलकर इस वक्त ईरान को तोड़ने में लगे हैं। इन सब के बीच टेंशन भारत को रही है। इस जंग में भारत की एंट्री भी हो गई है। इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग को देखते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से दोनों को हिदायत भी दी गई है। अपील

की गई कि इस युद्ध को रोक दिया जाए। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इसको लेकर रिएक्शन दिया। विदेश मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर गहरी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय की तरफ से कहा गया कि इस तनाव से क्षेत्र और स्थिरता पर असर पड़ रहा है। निश्चित तौर पर दुनिया में इजरायल और ईरान के बीच जंग के बाद से तनाव बढ़ चुका है। पहले रूस यूक्रेन और अब इजरायल और ईरान के बीच की जंग पूरी दुनिया के लिए एक खतरा पैदा कर रही है। भारत ने सभी पक्षों से संयम बरतने का आह्वान किया है। उसके साथ ही बातचीत के रास्ते पर लौटने की अपील की है। भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से कहा गया कि इस संघर्ष से किसी का फायदा नहीं होने वाला है। इससे सिर्फ निर्दोष नागरिकों और बंधकों को ही नुकसान होगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम पश्चिम एशिया में बढ़ती हिंसा और क्षेत्र की शांति तथा स्थिरता पर इसके प्रभाव से बेहद चिंतित हैं। इसने कहा कि हम सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने और वार्ता तथा कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आह्वान दोहराते हैं। क्षेत्र में जारी युद्ध किसी के लिए भी हितकारी नहीं है। इससे निर्दोष बंधकों और नागरिकों को लगातार कष्ट झेलना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज के बीच शुक्रवार को हुई बातचीत में पश्चिम एशिया संघर्ष पर विस्तार से चर्चा हुई थी।

इंडोनेशिया के माउंट मारापी में ज्वालामुखी विस्फोट, दूर तक फैला लावा

पडांग। इंडोनेशिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक में रविवार को विस्फोट होने से कम से कम तीन बार राख के गुबार उठे और आसपास के गांवों में मलबा फैल गया। हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पश्चिमी सुमात्रा प्रांत के अगम जिले में स्थित माउंट मारापी में होने वाले विस्फोटों का पूर्वानुमान लगाना कठिन है, क्योंकि वे मैग्मा की गहरी हलचल के कारण नहीं, बल्कि भूगर्भीय झटकों के कारण होते हैं। मारापी निगरानी चौकी पर इंडोनेशिया के ज्वालामुखी विज्ञान और भूगर्भीय खतरा शमन केंद्र के अधिकारी अहमद रिफांदी ने बताया कि इससे निकला गर्म लावा कई मील तक फैल गया। विस्फोट से 2,000 मीटर की ऊंचाई तक राख के गुबार उठे। रिफांदी ने कहा कि लगभग 2,900 मीटर ऊंचा ज्वालामुखी जनवरी से अब तक चार अलर्ट स्तरों में से दूसरे उच्चतम स्तर पर बना हुआ है। पर्वतारोहियों और ग्रामीणों को ज्वालामुखी के मुहाने से तीन किमी के भीतर जाने पर रोक लगा दी गई है। दिसंबर 2023 में

मारापी पर्वत में अचानक विस्फोट हुआ, जिसमें 24 पर्वतारोहियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। तब से पर्वत के चढ़ाई के दो मार्ग बंद कर दिए गए हैं। इससे पांच महीने पहले मॉनसून की बारिश के दौरान माउंट मारापी से मिट्टी और ठंडे लावा के निकलने से नदियों में बाढ़ आ गई। इस घटना में कई लोगों के घर बह गए और 67 लोगों की मौत हुई थी। द्वीपीय देश इंडोनेशिया भूकंप और ज्वालामुखी गतिविधि के लिए संवेदनशील है, क्योंकि यह प्रशांत महासागर के चारों ओर भूकंपीय क्षेत्र ''फायर रिंग'' पर स्थित है।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने इस्राइल से बदला लेने की धमकी दी, कहा- ईरानी लोगों की ताकत दिखानी होगी

तेहरान। ईरान के सुप्रीम नेता अयातुल्ला खामेनेई ने इस्राइल को धमकी दी है और कहा है कि इस्राइल ने ईरान पर हमला कर गलती कर दी है। ईरान के सर्वोच्च नेता ने कहा कि इस्राइल को ईरानी लोगों की ताकत, दृढ़ संकल्प की ताकत समझानी होगी। खामेनेई ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि यहूदी शासन ने दो रात पहले गलत कदम उठाया है। हमें दृढ़ संकल्प, ईरानी लोगों की पहल और ताकत दिखानी होगी। गौरतलब है कि इस्राइल हाल ही में ईरान पर हवाई हमले किए हैं। इन हमलों की पुष्टि इस्राइल और ईरान दोनों ने की थी। इस्राइल ने ये हमले ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर किए। हालांकि इन हमलों में हुए नुकसान के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिली है। ईरान ने हमलों के बाद बयान जारी कर बताया कि उनके हवाई सुरक्षा सिस्टम ने इस्राइल के हमले को नाकाम कर दिया। यही वजह है कि ईरान के सर्वोच्च नेता ने इस्राइल हमलों को लेकर कहा कि इन्हें बहुत बढ़ा-चढ़ाकर नहीं पेश करना चाहिए और न ही इन्हें बहुत हल्के में लेना चाहिए। हालांकि खामनेई ने जवाबी हमले करने की बात से परहेज किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस्राइली हमले में ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल बनाने वाली फैक्ट्री को नुकसान पहुंचा है। कहा जा रहा है कि इसे फिर से ऑपरेशनल बनाने में ईरान को कम से कम दो साल का समय लगेगा। ये ईरानी सेना के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वहीं इस्राइली सेना ने बयान जारी कर कहा है कि अगर उनके खिलाफ जवाबी कार्रवाई की गई तो वे फिर से हमला करेंगे। बीते दिनों हिजबुल्ला प्रमुख हसन नसरल्ला की इस्राइली हमले में मौत के बाद ईरान ने इस्राइल पर हवाई हमला किया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।